संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

15वें वर्ष में प्रवेश

दैनिक दैनन्दिनी.

◆ वर्ष-15 ◆अंक-099 ◆ रायपुर, मंगलवार 10 सितंबर 2024 ◆रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ◆ CHHHIN/2010/34274 ◆ पृष्ठ-08 मूल्य-1.50 रुपए

आज का पंचांग

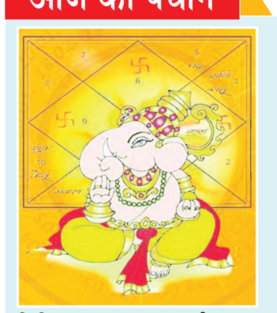

तिथि	सप्तमी
नक्षत्र	अनुराधा
प्रथम करण	गारा
द्वितीय करण	वणिजा
पक्ष	शुक्ल
वार	मंगलवार
योग	विष्कंभ
सूर्योदय	06.04
सूर्यास्त	18.25
चंद्रमा	वृश्चिक
राहुकाल	15.19
	16.51
विक्रमी संवत	2081
शक संवत	1946
मास	भाद्रपद
शुभ मुहूर्त	अभिजीत

गौ-आधारित जैविक एवं प्राकृतिक खेती खोलेगी किसानों के लिए खुशहाली का रास्ता : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने किया कृषि के शिल्पकार भगवान श्री बलराम जी की जयंती को हरवर्ष किसान दिवस के रूप मनाने का आह्वान

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा है कि गौ-आधारित प्राकृतिक खेती किसानों के लिए खुशहाली और समृद्धि का रास्ता खोलेगी। जैविक खेती से जुड़कर धान के कटोरे के किसान समृद्ध होंगे। जैविक एवं प्राकृतिक खेती पर स्थानीय इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यशाला को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने इस मौके पर भगवान श्री बलराम जी की जयंती भाद्रपद माह की शुक्ल पक्ष षष्ठी तिथि को हर वर्ष किसान दिवस के रूप मनाने का आह्वान भी किया। गौ-आधारित जैविक और प्राकृतिक खेती करने वाले तथा इस क्षेत्र में किसानों को प्रेरित करने वाले उत्कृष्ट किसानों को सम्मानित किया।

कार्यशाला में मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेशवासियों को भगवान श्री बलराम जी जयंती की बधाई और शुभकनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश के किसानों की समृद्धि को प्राथमिकता में रखते हुए कृषक कल्याण मंत्रालय का गठन हुआ। इस मंत्रालय के माध्यम से खेती-किसानी की बेहतरी और किसानों की आय बढ़ाने पर काम हो रहा है। किसानों की आय दोगुनी करने के लिए उद्यानिकी, मछलीपालन और पशुपालन जैसे क्षेत्रों में किसानों की भागीदारी बढ़ने का लगातार प्रयास किया जा रहा है। इस मौके पर जैविक एवं प्राकृतिक खेती पर आधारित प्रदर्शनी भी लगाई गई। भगवान श्री बलराम जी की जयंती के मौके पर राजधानी सहित प्रदेश के सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों में किसान दिवस का आयोजन किया गया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार ने प्रदेश के किसानों को दो साल के धान के बकाया बोनस की राशि 3716 करोड़ रुपए किसानों को दिए। 21 क्विंटल प्रति एकड़ और 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से रिकार्ड 145 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के लिए बजट में 2000 करोड़ रुपए से अधिक राशि का प्रावधान किया गया है। सिंचाई सुविधाओं के बढ़ने से किसानों की आय बढ़ेगी। साथ ही हम पुराने सिंचाई परियोजनाओं को दुरस्त करने का भी काम कर रहे है। अखिल भारतीय किसान संघ के श्री दिनेश कुलकर्णी ने गौ-आधारित प्राकृतिक खेती के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आज जैविक एवं प्राकृतिक खेती की जरूरत है। मांग के अनुरूप प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें जैविक और प्राकृतिक खेती के लिए वैचारिक रूप से परिपक्व होना चाहिए। उन्होंने कहा कि गौ-आधारित जैविक एवं प्राकृतिक खेती के संबंध में गीता में उल्लेख है। उन्होंने कहा गौ पालन के लिए भगवान श्री कृष्ण ने स्वयं गौपालन कर लोगों को प्रेरित किया है। कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी मंत्री श्री रामविचार नेताम ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल के बीते इन 10 वर्षों में कृषि के क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन आया है।

केन्द्र सरकार और राज्य सरकार ने किसानों को प्राथमिकता में लेकर किसान हित में नीतिगत् फैसले लिए हैं, जिससे किसान आर्थिक रूप से सशक्त हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज दौर में हमें मांग अनुरूप हमें गौ-आधारित जैविक और प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ने की जरूरत हैं, ताकि किसान की आर्थिक स्थिति और मजबूत बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व नीतिगत् फैसलों और कार्यों से प्रदेश के किसान आज सामर्थवान बन रहे है। किसान अब खेती-किसानी को व्यवसाय के रूप में अपना रहे हैं।

आज कृषि के क्षेत्र में अनेकों नवाचार हो रहे हैं, जिसका लाभ किसानों को मिल रहाः साय

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि देश की बड़ी आबादी अपनी आजीविका के लिए खेती-किसानी पर निर्भर है। आज कृषि के क्षेत्र में अनेकों नवाचार हो रहे हैं, जिसका लाभ किसानों को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि पहले किसान साहूकार और महाजनों से अत्यधिक ब्याज दर पर पैसे लेने को मजबूर थे। हमारे पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी ने किसानों की पीड़ा को समझा और किसानों के लिए किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) की व्यवस्था की। किसानों को आज निःशुल्क अथवा बहुत की कम ब्याज पर ऋण उपलब्ध हो रहे हैं।

शिक्षक देवेंद्र कुमेटी के आत्महत्या के सुसाइड नोट के आधार पर पूर्व मंत्री मो अकबर के खिलाफ हुई एफआईआर

रायपुर। बालोद जिले के डोंडी थाना परिक्षेत्र के घोटिया गांव के रहवासी प्रधानपाठक देवेंद्र कुमेटी ने शिक्षक दिवस के दो दिन पूर्व फांसी के फंदे पर झूलकर आत्महत्या कर ली थी जिससे शिक्षक जगत व उनके जानने वाले आदिवासी समाज मे पीड़ा व आक्रोश का वातावरण निर्मित हो गया था ।

आपको बता दे कि कुछ दिनों पहले आदिवासी समाज के एक प्रतिष्ठित परिवार से आने वाले शिक्षक देवेंद्र कुमार कुमेटी ने आत्महत्या की थी। मृतक शिक्षक ने मरने से पहले सुसाइड नोट लिखा था, जिसमें उसने पूर्व मंत्री मो अकबर सहित तीन अन्य लोगो को अपनी मौत का जिम्मेवार बताया था ! गौरतलब है कि चारो ओर ऐसी चर्चा है कि पूर्ववर्ती कांग्रेस शासन मे वन विभाग में विभिन्न पदों में नौकरी लगाने के नाम पर पूरे राज्य मे सैकड़ो बेरोजगार नौजवानों को षड्यंत्र कर छला गया था और अब इस प्रकार की दुर्भाग्यपूर्ण घटना उन आरोपों को प्रमाणित भी कर रही है । देवेन्द्र कुमेटी के आत्महत्या मामले मे बालोद जिले के डौंडी थाने में बीएनएस की धारा 108 के तहत आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप मे मो अकबर के विरूद्ध मामला दर्ज किया गया। वहीं अन्य लोगो के खिलाफ नौकरी के नाम पर 420 ठगी का भी मामला दर्ज हुआ । मामले में 40 से अधिक लोगो से 3 करोड़ 70 लाख से ज्यादा का ठगी करने की शिकायत मिली है। इस प्रकरण पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए प्रदेश भाजपा जनजाति मोर्चा के अध्यक्ष विकास मरकाम कहते है कि कांग्रेस सरकार में हुए भीषण भ्रष्टाचार का असर यह है कि आज भी छत्तीसगढ की जनता पूर्व कांग्रेस शासन मे के किए गए कृत्य से लाचार व पीड़ित है । श्री मरकाम ने आगे कहा कि जिन लोगों ने वन विभाग मे फॉरेस्ट गार्ड की नौकरी देने के नाम पर लोगो से बड़ी-बड़ी रकम ठगी है व प्रपंच किया है उसका सर्वाधिक शिकार आदिवासी समाज के सरलमना लोग हुए है यही कारण है कि हमारे आदिवासी भाई आज फांसी पर झूलकर आत्म हत्या करने को बेबस हो रहे है । विदित हो कि कांग्रेस शासन मे फॉरेस्ट गार्ड की नौकरी मे ढ़ेर सारी धांधली व भ्रष्टाचार का आरोप लग चुका है! सैकड़ो लोगो का कहना है कि छतीसगढ़ राज्य के अनेक भोले-भाले बेरोजगार व गरीब लोग अनेक लोगो से ब्याज मे कर्जा लेकर या अपना सोना-चांदी के जेवर व खेती किसानी की जमीन बेचकर नौकरी पाने के नाम पर बर्बाद हो गए है और आज आलम यह है आए दिन कोई न कोई अपनी अनमोल जान को गंवा रहा है !

महाराष्ट्र विस चुनावः पूर्व मंत्री शिव को मिली बड़ी जिम्मेदारी

रायपुर. अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने पूर्व मंत्री शिव डहरिया को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भंडारा-गोंदिया लोकसभा क्षेत्र के ऑब्जर्वर की जिम्मेदारी सौंपी है. इसके लिए डहरिया ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं का आभार जताया है. पूर्व मंत्री डहरिया ने कहा, मुझे ऑब्जर्वर की जिम्मेदारी दी गई है. इसके लिए मैं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा नेता प्रतिपक्ष व हमारे नेता राहुल गांधी, राष्ट्रीय महासचिव के. सी. वेणुगोपाल का धन्यवाद व आभार व्यक्त करता हूं. मैं विश्वास दिलाता हूं कि मुझे जो दायित्व सौंपा गया है उसे पूर्ण निष्ठा से निभाऊंगा एवं कांग्रेस संगठन को मजबूत करने का अथक प्रयास करुंगा.

भारत-यूएई ने न्यूक्लियर पॉवर और गैस सप्लाई पर हुए हस्ताक्षर

नई दिल्ली। भारत और यूएई ने सोमवार को कई महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए, जिससे परमाणु ऊर्जा और पेट्रोलियम जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच सहयोग का मार्ग प्रशस्त हो गया है। नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नहयान के बीच हुई बैठक के दौरान समझौतों की घोषणा की गई। न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड और एमिरेट्स न्यूक्लियर एनर्जी कॉर्पोरेशन के बीच परमाणु सहयोग पर समझौता ज्ञापन अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के बीच दीर्घकालिक एलएनजी आपूर्ति के लिए समझौता एडीएनओसी और इंडिया स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व लिमिटेड के बीच समझौता ज्ञापन ऊर्जा भारत और एडीएनओसी के बीच अबू धाबी ऑनशोर ब्लॉक 1 के लिए उत्पादन रियायत समझौता।

जो अपनी घर की बेटियों को न्याय नहीं दिला पाते वे प्रदेश के कानून व्यवस्था पर सवाल उठाने का अधिकार नहीं रखतेः राधिका खेड़ा

कांग्रेस पार्टी में कक्का नही कंस रहते हैंः राधिका खेड़ा

फूलोदेवी नेताम को मुख्यमंत्री निवास का घेराव करने के बजाय अपने ही वरिष्ठ नेताओं के घरों को घेरना चाहिए - रंजना साहू

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी की नेत्री राधिका खेड़ा ने छत्तीसगढ़ कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए यह सवाल उठाया है कि कांग्रेस जिस प्रकार से विगत चार-पांच दिनों से कानून-व्यवस्था को लेकर हायतौबा मचा रही है, क्या यह किसी बड़ी घटना को छुपाने की कवायद है? सुश्री खेड़ा ने कहा कि कांग्रेस कार्यालय में खुद के राष्ट्रीय प्रवक्ता से दुर्व्यवहार होता है, जो अपनी घर की बेटियों को न्याय नहीं दिला पाते वे प्रदेश के कानून व्यवस्था पर सवाल उठाने का अधिकार नहीं रखते। भाजपा नेत्री सुश्री खेड़ा ने सोमवार को एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी में कभी भी महिलाओं का सम्मान नहीं हुआ। कांग्रेस पार्टी में कक्का नही कंस रहते हैं। जो अपनों को भी नहीं छोड़ते। कंस ने भी अपनी बहन के बच्चों को भी नहीं छोड़ा कांग्रेसी भी बहन बनाकर बुलाते है और अपमान करने का एक मौका नहीं छोड़ते है। भाजपा नेत्री सुश्री खेड़ा ने प्रदेश में महिला अपराध की कथित घटनाओं को लेकर कांग्रेस पार्टी द्वारा मुख्यमंत्री निवास का घेराव करने की बात पर कहा कि कांग्रेस पार्टी में महिला खुद ही सुरक्षित नहीं है। मेरी बात हो या फिर अर्चना गौतम की बात हो जिससे प्रियंका गांधी के सचिव ने दुर्व्यवहार किया था। महिला कांग्रेस को सबसे पहले उन्हें न्याय दिलाना चाहिए। भाजपा नेत्री सुश्री खेड़ा ने कहा कि कांग्रेस शासनकाल में अनेक आपराधिक घटनाएँ कांग्रेस कार्यालय के भीतर ही हुई हैं, जिसमें उनके सन्निकार कर्मकार मंडल के तत्कालीन अध्यक्ष सन्नी अग्रवाल ने अपने तत्कालीन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम के सामने कांग्रेस के महामंत्री से गाली-गलौज और हाथापाई तक की, लेकिन इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं हुई। जो कांग्रेस अपने प्रदेश कार्यालय तक की कानून-व्यवस्था तक नहीं सम्हाल पाई हो, आज उसे प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाने का कोई नैतिक अधिकार नहीं रह जाता है।

कथक और ओडिसी नृत्य ने किया दर्शकों को मंत्रमुग्ध

चक्रधर समारोह 2024

रायगढ़/रायपुर। सुर-ताल, छंद और घुंघरू के 39 बरस के अवसर पर चक्रधर समारोह में दूसरे दिन दिल्ली, कलकत्ता और रायपुर से आए कलाकारों के द्वारा प्रस्तुत कथक और ओडिसी नृत्यों ने दर्शकों मंत्रमुग्ध कर दिया। ओडिसी नृत्य की प्रसिद्ध कलाकार डॉ.पूर्णाश्री राउत और पद्मश्री रंजना गौहर एवं कथक नृत्यांगना सुश्री दीपान्निता सरकार ने अपनी शानदार प्रस्तुति दी। इन कलाकारों के भाव भंगिमा ने सब का मन मोह लिया। प्रसिद्ध ओडिसी नर्तक डॉ.पूर्णाश्री राउत ने भगवान जगन्नाथ को समर्पित धार्मिक पूजा गीत को ओडिसी नृत्य के माध्यम से प्रस्तुति दी। दर्शकगण भगवान जगन्नाथ के धार्मिक गीत आराधना देख भक्तिमय माहौल में डूब गए। उनके भाव भंगिमा युक्त ओडिसी नृत्य ने दर्शकों को मंत्र मुग्ध कर दिया। दिल्ली से पहुंची लखनऊ घराने कथक नृत्यांगना सुश्री दीपान्निता सरकार और जयपुर घराने के कलाकार सौरभ ने लखनऊ और जयपुर घराने के कथक की बेजोड़ संगम की प्रस्तुति दी।

प्रस्तुति में हारमोनियम बांसुरी, तबले और पखावज के साथ नर्तकों की संगत देखते ही बनती थी। दिल्ली की सुश्री ए.मंदाकिनी स्वैन ने चक्रधर समारोह में राग जोश शैली से साजना मोरा घर आवै गाकर सब का मन मोह लिया।

छात्राओं से दुर्व्यवहार के मामले पर हाईकोर्ट ने लिया संज्ञान

बिलासपुर। राजनांदगांव के जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) द्वारा छात्राओं के साथ किए गए दुर्व्यवहार और उन्हें जेल भेजने की धमकी के मामले में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने संज्ञान लिया है। मामले की सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस बीडी गुरु की डिवीजन बेंच ने डीईओ के व्यवहार पर कड़ी नाराजगी जताते हुए इसे अशोभनीय और निदनीय बताया है। घटना 4 सितंबर 2024 की है, जब छात्राएं शिक्षकों की नियुक्ति की मांग को लेकर डीईओ से मिलने गई थीं। इस पर डीईओ ने उन्हें धमकी देते हुए कहा कि वे जेल जाएंगे। यह घटना शिक्षक दिवस से एक दिन पहले हुई, जब छात्राएं केवल अपने स्कूल में शिक्षकों की नियुक्ति की मांग कर रही थीं।

विधायक यादव की बढ़ी न्यायिक रिमांड

बलौदाबाजार. कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव की न्यायिक रिमांड कोर्ट ने फिर 9 दिनों के लिए बढ़ा दी है. विधायक यादव 17 सितंबर तक न्यायिक हिरासत में रहेंगे. बता दें कि बलौदाबाजार हिंसा मामले में पुलिस ने 17 अगस्त को देवेंद्र यादव को गिरफ्तार किया था. आज रिमांड खत्म होने पर फिर सीजेएम कोर्ट में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सुनवाई हुई. कोर्ट ने 17 सितंबर तक उनकी रिमांड बढ़ा दी है.

धारदार हथियार से किसान की हत्या कर सड़क पर फेंका शव

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में बिलासपुर को प्रदेश की न्यायधानी कहा जाता है, लेकिन यहां अपराधियों में पुलिस का जरा भी खौफ नजर नहीं आ रहा है, आए दिन मारपीट, लूट और हत्या की वारदात सामने आ रही है. जिले के ग्राम सेमरताल में आज दोपहर ऐसी ही एक दिल दहला देने वाली वारदात से सनसनी फैल गई है. जहां 60 वर्षीय किसान साकेत बिहारी कौशिक की धारदार हथियार से वारकर निर्मम हत्या कर दी गई. जानकारी के मुताबिक, आज दोपहर करीब 4 बजे डाक बंगला मेन रोड पर उनकी खून से सनी लाश को ग्रामीणों ने सड़क पर पड़े हुए देखा और पुलिस को घटना की जानकारी दी. इसके बाद मौके पर पहुंची कोनी पुलिस ने पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया.

तीसरी आंख

वित्त मंत्री बोलीं- ऑनलाइन गेमिंग से राजस्व 412% बढ़ा

जीएसटी परिषद ने कैंसर की दवाओं व नमकीन पर कर घटाया

नई दिल्ली। जीएसटी परिषद की 54वीं बैठक के बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कैंसर की दवाओं व नमकीन पर जीएसटी दर घटाने का एलान किया। वित्त मंत्री सीतारमण ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि परिषद ने बैठक के दौरान कई फैसले लिए। वित्त मंत्री ने बताया कि सरकारी संबद्ध शैक्षणिक संस्थानों को जीएसटी से छूट देने का भी फैसला किया गया है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा कैंसर की दवाओं पर भी जीएसटी घटाया गया है। वित्त मंत्री ने कहा कि नमकीन पर जीएसटी दर भी संभावित रूप से कम की गई। वित्त मंत्री ने यह भी बताया कि वाणिज्यिक संपत्तियों को किराए पर देने को रिवर्स चार्ज मैकेनिज्म के तहत लाया गया जाएगा।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि कैंसर की दवाओं पर जीएसटी को 12त्न से घटाकर 5त्न करने का उद्देश्य कैंसर के इलाज की कुल लागत को और कम करना है। जीएसटी परिषद ने चुनिंदा नमकीन पर कर को 18% से घटाकर 12% करने का फैसला किया है। सीतारमण के मुताबिक, छह महीने में ऑनलाइन गेमिंग रेवेन्यू 412% बढ़कर 6,909 करोड़ रुपये हो गया है। वित्त मंत्री ने बताया कि दरों को तर्कसंगत बनाने पर जीओएम को स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत करनी थी। दो स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत की गईं जिसमें एक रियल एस्टेट पर और दूसरी दरों के युक्तिकरण से जुड़ी थी। वित्त मंत्री ने कहा कि ऑनलाइन गेमिंग, कैसीनो की भी स्थिति भी परिषद् की बैठक के दौरान पेश की गई। उन्होंने कहा कि कसीनो राजस्व में 30त्न की वृद्धि हुई है। वित्त मंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य बीमा पर मंत्री समूह अक्तूबर के अंत तक रिपोर्ट पेश करेगा। कयास लग रहे थे कि जीएसटी परिषद की बैठक के दौरान स्वास्थ्य बीमा पर जीएसटी हटाने का फैसला नहीं हुआ है। हालांकि, फिलहाल यह फैसला टल गया है। स्वास्थ्य बीमा पर दर के आकलन के लिए जीएसटी परिषद् ने मंत्रियों का एक समूह बनाया है। वित्त मंत्री ने कहा कि मंत्रियों का यह समूह अक्तूतर के अंत तक अपनी रिपोर्ट पेश करेगा। इसके अलावे जीएसटी परिषद ने धार्मिक यात्राओं के लिए हेलिकॉप्टर सेवाओं के परिचालन पर कर को घटाकर पांच प्रतिशत करने का फैसला किया है।

रायपुर। नई दिल्ली में सोमवार को केंद्रीय वित्तमंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में जीएसटी (माल और सेवा कर) परिषद की 54वीं बैठक आयोजित की गई। जिसमें राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के वित्त मंत्रियों एवं प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। इस महत्वपूर्ण बैठक में छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने भी भाग लिया। बैठक में जीएसटी से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।

भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पांडेय के पिता श्याम पांडेय का निधन

दुर्ग भिलाई। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और पूर्व सांसद सरोज पांडेय के पिता श्याम पांडेय का सोमवार को निधन हो गया है. श्याम पांडेय ने 92 साल की उम्र में भिलाई इस्पात संयंत्र के सेक्टर 9 चिकित्सालय में इलाज के दौरान अंतिम सांस ली. उनके निधन की जानकारी के बाद उनके परिजनों में शोक की लहर है. श्याम पांडे शिक्षा जगत से जुड़े रहे.

लंबे समय से थे बीमार- जानकारी के मुताबिक सरोज पांडेय के पिता श्याम पांडे भिलाई स्टील प्लांट के स्कूल में प्राचार्य भी रहे. परिवार के मुताबिक वो लंबे समय से बीमार चल रहे थे. पिछले ढाई साल से उनका इलाज भिलाई स्थित सेक्टर 9 हॉस्पिटल में चल रहा था. इस दौरान सरोज पांडेय हर रोज उनसे मिलने हॉस्पिटल जाया करती थीं. हर रोज उनके साथ वह 2 से 3 घंटे बिताती थीं. सोमवार उनके निवास स्थान मैत्री नगर से उनकी अंतिम यात्रा शुरू होगी और शिवनाथ नदी के तट पर उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा.

सीएम साय सहित कई नेताओं ने शोक व्यक्त किया- सीएम साय ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, बहन सरोज पांडे जी के पिता, पंडित श्याम पांडे जी के निधन की दु:खद खबर मिली. मां बम्लेश्वरी से प्रार्थना है कि उनकी आत्मा को शांति और परिवार को इस कठिन समय में संबल प्रदान करें. श्याम पांडे के निधन पर सीएम साय के अलावा सांसद विजय बघेल, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडेय, वैशाली नगर के विधायक रिकेश सेन, भिलाई जिला भाजपा के अध्यक्ष महेश वर्मा, नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा और उप नेता प्रतिपक्ष दया सिंह ने शोक व्यक्त किया है.

पूर्व गृह मंत्री साहू की धर्मपत्नी कमला देवी साहू का निधन, मुख्यमंत्री ने जताया शोक

भिलाई। छत्तीसगढ़ के पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू की धर्मपत्नी कमला देवी साहू का सोमवार को निधन हो गया। उनके निधन से राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में एक अपूरणीय क्षति हुई है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने स्व. कमला देवी साहू के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि कमला देवी के निधन से उन्हें व्यक्तिगत रूप से गहरी पीड़ा हुई है। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें और शोक संतप्त परिवार को इस कठिन समय में धैर्य और संबल प्रदान करें।

शासकीय वाहन चालक संघ ने सेवानिवृत्त सदस्यों को दी विदाई

कवर्धा। छग प्रदेश शासकीय अर्धशासकीय वाहनचालक यांत्रिकी कर्मचारी संघ जिला शाखा कबीरधाम द्वारा लालपुर नर्सरी में 8 सितंबर को विदाई समारोह आयोजित किया। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त हुए जिले के वरिष्ठ वाहन चालक और संघ के मार्गदर्शक/सलाहकार मो.नूर खान व सतीश मानिकपुरी संघ जिलाध्यक्ष अशोक पाली, उपाध्यक्ष फागुराम, मो. शिकंदर ने शाल श्रीफल व स्मृतिचिन्ह भेटकर भावभीनी विदाई दी। इसके साथ ही कार्यक्रम में संघ के वरिष्ठ पूर्व वाहन चालक ईश्वरी प्रसाद शर्मा ,चक्रवर्ती महाराज ,रविशंकर मिश्रा ,प्रांतीय पदाधिकारी सईद खान ,शिवप्रसाद कोर्राम,कोषाध्यक्ष निरंजन सिंह वरिष्ठ वाहनचालक गोपाल यादव का भी पुष्पगुच्छ के साथ स्वागत व सम्मान किया गया।विदाई समारोह कार्यक्रम में संघ के संरक्षक शिवप्रसाद झरिया,सचिव राजेंद्र चंद्रवंशी, लोकचंद,संजय मरकाम, कमलेश साहू अशोक चंद्राकर एवं सभी जिलापदाधिकारी/जिले के सभी विभागों के वाहनचालक उपस्थित थे।

कलेक्टर के त्वरित निर्णय से रामदेव को मिली बैसाखी, जनता में बढ़ा प्रशासन पर विश्वास

कोरिया। बैकुंठपुर विकासखंड के ग्राम आनी निवासी रामदेव, जो दिव्यांग होते हुए भी मोटर वाइंडिंग का काम कर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं, ने कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी के समक्ष बैसाखी की जरूरत बताते हुए आवेदन प्रस्तुत किया। कलेक्टर ने रामदेव की समस्या को गंभीरता से लेते हुए तुरंत संबंधित विभाग को निर्देश दिया और कुछ ही घंटों के भीतर उन्हें बैसाखी उपलब्ध कराई गई। रामदेव, जिनको पूर्व में जिला प्रशासन द्वारा मोटराइज्ड ट्राइसिकल प्रदान की गई थी, घर से दुकान तक जाने में असुविधा का सामना कर रहे थे। बैसाखी मिलने पर उन्होंने कलेक्टर का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें इतनी जल्दी मदद मिल जाएगी, यह उन्होंने कभी नहीं सोचा था। कलेक्टर के इस त्वरित पहल व निर्णय से जिले में प्रशासन के प्रति जनता का भरोसा बढ़ा है। आमतौर पर सरकारी कार्यों में देरी की धारणा होने के बावजूद, कलेक्टर के इस कदम ने यह साबित किया कि जरूरतमंदों की समस्याओं का समाधान तत्परता से किया जा सकता है। रामदेव और उनकी पत्नी मिलकर मोटर वाइंडिंग का कार्य करते हैं और अपनी मेहनत से परिवार को आर्थिक रूप से सशक्त करने में लगे हुए हैं। उनके इस संघर्ष और मेहनत को देखते हुए, प्रशासन की ओर से की गई यह मदद उनके जीवन में एक नई आशा लेकर आई है।

कलेक्टोरेट में लगा जनदर्शन, मिले 68 आवेदन

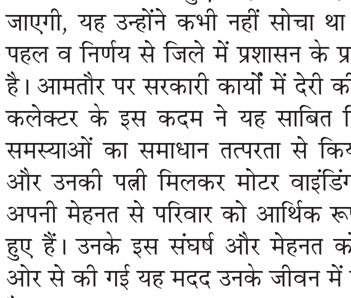

धमतरी। कलेक्टोरेट में आज साप्ताहिक कलेक्टर जनदर्शन आयोजित किया गया। इस दौरान कलेक्टर नम्रता गांधी ने लोगों की समस्या, शिकायत और मांगों को जिले के वनांचल एवं दूर-दराज क्षेत्रों से पहुंचे फरियादियों से सुनीं। उन्होंने लोगों की समस्या, शिकायत और मांगों को गंभीरता से सुना और संवेदनशीलता से उन पर कार्यवाही करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। आज आयोजित जनदर्शन में प्रमुख रूप से नामांतरण, शिक्षक की व्यवस्था करने, रेत उत्खनन की जांच करने, अतिक्रमण हटाने, राशन कार्ड बनाने, नक्शा खसरा उपलब्ध कराने, पट्टा प्रदाय कराने, कलेक्टर दर पर नौकरी दिलाने, हाथियों द्वारा फसल नुकसान का मुआवजा दिलाने, त्रुटि सुधार इत्यादि संबंधी कुल 68 आवेदन प्राप्त हुए।

बारिश का तांडव,नदी नाले उफान पर, दंतेवाड़ा जिला प्रशासन अलर्ट

दंतेवाड़ा। दंतेवाड़ा जिले में दो दिनों से लगातार मूसलाधार वर्षा के कारण जन जीवन प्रभावित हुआ है.बारिश के कारण जिले के चारों ब्लॉक में नदी नाले तूफान पर हैं. जिसे देखते हुए, जिला प्रशासन ने स्कूलों की छुट्टी कर दी है. जिला प्रशासन समेत यातायात विभाग जिले के सभी ब्लॉकों में बाढ़ राहत सेवाएं पहुंचा रहे हैं. जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में यातायात विभाग ने बेरिकेड लगाए हैं. ताकि कोई अनहोनी ना हो सके. आने जाने वालों को समझाइश दी जा रही है कि अनावश्यक घरों से ना निकले. जिला प्रशासन ने हाई अलर्ट जारी कर दिया है.

जिला प्रशासन अलर्ट- जिला प्रशासन कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने जिला प्रशासन को निर्देश जारी किए हैं कि जिन-जिन क्षेत्रों में पानी का भराव हुआ है. वहां नगरीय प्रशासन राहत शिविर लगाकर आपदा प्रभावित लोगों को सहायता पहुंचाएं. फिलहाल हालात कंट्रोल में हैं. जिला प्रशासन ने आने वाले दिनों में ज्यादा बारिश होने पर राहत को लेकर इंतजाम कर रखे हैं.ताकि यदि मुश्किल बढ़ी तो लोगों को त्वरित राहत पहुंचाई जा सके. कई गांवों का मुख्यालय से संपर्क टूट गया है. जिसे देखते हुए, जिला प्रशासन ने आपातकालीन बैठक बुलाकर सरपंच सचिव जनप्रतिनिधियों को इस आपदा में जनहित में लोगों की सहायता करने की अपील की है.

नारायणपुर में बिगड़े हालात- बस्तर संभाग में पिछले दो दिनों से झमाझम बारिश हो रही है. जिससे छोटे बड़े नदी नाले उफान पर हैं. बात यदि नारायणपुर की करें तो पूरा इलाका जलमग्न हो चुका है. जिला मुख्यालय से छोटेडोंगर, आकाबेड़ा, कोहकाटामेटा सहित नारायणपुर से कोंडागांव और कांकेर जिले को अंतागढ़ को जोड़ने वाली सभी सड़कों पर जल भरावा है.जिससे आवागमन प्रभावित हुआ है. ओरछा छोटेडोंगर सहित कई गांवों बाढ़ जैसे हालात हैं.

सुकमा में आफत की बारिश, 25 परिवारों का उजड़ा आशियाना, बाढ़ से बेहाल

सुकमा. बीते एक सप्ताह से लगातार हो रही बारिश से सुकमा जिले में आम जनजीवन पूरी तरह से अस्त व्यस्त हो गया है. इस आफत की बारिश ने 20 से 25 परिवारों का आशियाना ढहा दिया है. लगातार बारिश से बारिश का पानी नेशनल हाईवे में चढ़ गया है. साथ ही शबरी नदी अपने खतरे के निशान से ऊपर बह रही है.

सुकमा में आफत की बारिश से बाढ़ के हालात- 8 सितंबर को दोपहर के समय सुकमा जिले के छिंदगढ़ विकासखंड के चितलनार अचानक बाढ़ आ गई. बारिश से नेशनल हाइवे गीदम नाला, डुब्बटोटा, एर्राबोर व पड़ोसी राज्य ओडिशा को जोड़ने वाली सड़क पर बने झापरा पुल के ऊपर से पानी बह रहा है. जिससे आवाजाही पूरी तरह बंद है. सैकड़ों गाड़ियों के पहिये थम चुके हैं.

बारिश से कई लोगों के घर टूटे- सुकमा के साथ ही पूरे बस्तर संभाग में लगातार बारिश हो रही है. बाढ़ के कारण छिंदगढ़ विकासखंड के 20 से 25 घर ढह गए. जिसके बाद ग्रामीणों के सिर से उनका आशियाना छिन गया. जिसके बाद स्थानीय जनप्रतिनिधि और जिला प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची. सभी घरों के परिवारों को स्कूल और पंचायत भवन में राहत शिविर केंद्र बनाकर ठहराया. सभी के लिए, भोजन के अलावा जरूरी सामग्री उपलब्ध कराया गया. लाइट के लिए जनरेटर की व्यवस्था भी की गई. भारी बारिश को देखते हुए सुकमा कलेक्टर ने आज जिले के सभी स्कूलों को बंद करने का आदेश रविवार देर शाम जारी कर दिया.

बाढ़ में फंसे नगर पंचायत अध्यक्ष, रेस्क्यू टीम ने सुरक्षित निकाला

मुख्यमंत्री साय ने दूरभाष पर जाना हालचाल

कांकेर। जिले के अंतागढ़ ब्लॉक के नगर पंचायत अध्यक्ष राधेलाल नाग सोमवार को वाहन सहित कोयलीबेड़ा क्षेत्र के महला नाले में सहसा आई बाढ़ में फंस गए थे, जिन्हें तत्काल पुलिस की रेस्क्यू टीम के द्वारा वहां से निकाला गया। घटना की जानकारी मिलते ही अंतागढ़ विधायक विक्रम उसेंडी ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को दूरभाष पर अवगत कराया, जिस पर मुख्यमंत्री ने संवेदनशीलता के साथ पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली और नगर पंचायत अध्यक्ष के वहां से सुरक्षित ढंग से निकाले जाने के बारे में हालचाल जाना, साथ ही जिले के कलेक्टर और एसपी को त्वरित रेस्क्यू कराने के लिए निर्देशित किया। पानी के बहाव में बाल-बाल बचने और नया जीवन मिलने पर नाग ने मुख्यमंत्री साय को उनकी तत्परता के साथ मदद के लिए बारम्बार आभार माना और कहा कि प्रदेशवासियों के दुख-दर्द में भी आदिवासी मुख्यमंत्री साय सदैव साथ हैं। उल्लेखनीय है कि रविवार से लगातार हो रही बारिश से जिले के नदी-नाले उफान पर हैं जिससे कई इलाकों में यातायात बाधित हो गया है। इसी दौरान नगर पंचायत अंतागढ़ के अध्यक्ष नाग कोयलीबेड़ा के महला नाला में पुल पर से अपने बोलेरो वाहन क्रमांक सीजी 04 एनडब्ल्यू 8121 में सवार होकर ड्रायवर तरूण उपेण्डी के साथ पार हो रहे थे। इसी बीच नाले में अचानक जलस्तर बढ़ गया, जिससे वे दोनों गाड़ी सहित फंस गए। इसकी जानकारी मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम तत्काल मौके पर पहुंचकर गोताखोरों और बीएसएफ के जवानों के माध्यम से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर नाग और उनके ड्रायवर को सुरक्षित ढंग से बाहर निकाला गया।

जल जीवन मिशन की बैठक में लंबित देयकों के भुगतान स्वीकृत

कोरिया। कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक ली। उन्होंने एजेण्डावार समीक्षा करते हुए विभिन्न लंबित देयकों के भुगतान एवं कार्यालय में कर्मचारियों की कमी को देखते हुए तकनीकी शाखा के कार्यों को सुचारू रूप से करने हेतु बी.पी.शर्मा, सेवानिवृत्त मानचित्रकार को जल जीवन मिशन के सपोर्ट मद से कलेक्टर दर पर कार्य करने की स्वीकृति प्रदान की गई।

बैठक में स्वीकृत समूह जल प्रदाय योजनाओं की निविदाओं में ठेकेदार द्वारा प्रस्तुत किये गये ज्वाइंट वेंचर अनुबंध के तहत जीवी पार्टनर के कूटरचित अनुभव प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किये जाने पर संबंधित ठेकेदार को कारण बताओ नोटिस जारी करने एवं आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। जल जीवन मिशन के अंतर्गत चल रहे कार्यों के तहत ठेकेदारों के देयकों के कवरेज मद से भुगतान, सिंगल विलेज योजना एवं समूह जल प्रदाय योजना तथा जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत स्थापित किये गये सोलर पंपों का क्रेडा विभाग को प्रदाय राशि का कवरेज मद में ऑनलाइन डिमांड करने की स्वीकृति प्रदान की गई। इसी प्रकार जल जीवन मिशन के अंतर्गत सपोर्ट मद में जिले में कार्यरत विभिन्न आई, एस.ए. एजेंसियों, टी.पी.आई. एजेंसियों द्वारा किये गये कार्यों का भुगतान, समूह जल प्रदाय योजनाओं के अंतर्गत किये गये कार्य के विरूद्ध भुगतान, मेसर्स कॉल भी सर्विस रायपुर के द्वारा उपलब्ध कराये गये मानव संसाधनों के माह जून एवं जुलाई 2024 के देयकों का भुगतान हेतु ऑनलाइन डिमांड का अनुमोदन किया गया। बैठक में खण्ड कार्यालय बैकुण्ठपुर में उप अभियंता, मानचित्रकार, सहायक मानचित्रकार एवं अनुरेखक के पद रिक्त होने के कारण तकनीकी शाखा के कार्यों को सुचारू रूप से करने हेतु बी.पी.शर्मा, सेवानिवृत्त मानचित्रकार को जल जीवन मिशन के सपोर्ट मद से कलेक्टर दर पर कार्य करने हेतु स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी, वनमण्डलाधिकारी श्रीमती प्रभाकर खलखो सहित सदस्य उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने महिला सशक्तीकरण की दिशा में उठाए महत्वपूर्ण कदम

महतारी वंदन योजना: जशपुर जिले की 2 लाख से अधिक महिलाओं को मिला लाभ 0 महिलाओं ने मुख्यमंत्री को दिया धन्यवाद

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का महिला सशक्तीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम के तहत् महिलाओं को महतारी वंदन योजना की राशि दी जा रही है। योजना से महिलाओं को आर्थिक सम्बल और हाथों में एक निश्चित राशि मिल रही है, जिसका उपयोग महिलाएं परिवार की छोटी-मोटी जरूरतों के उपयोग में कर रही हैं। यह योजना जरूरतमंद महिलाओं के लिए मुश्किल समय का सहारा बन गई है। साथ ही निर्भक होकर अपने जिम्मेदारियों का भी निर्वाहन कर पा रही हैं। छत्तीसगढ़ में महतारी वंदन योजना की अब तक सातवीं किस्त जारी कर दी गई है। जशपुर जिले की 2 लाख 32 हजार 760 महिलाओं को इस योजना का लाभ मिला है।

महिलाओं ने कहा कि महतारी वंदन योजना से हर महिना एक-एक हजार मिल रहा है। जिससे वे बहुत खुश हैं और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को धन्यवाद दिए हैं। महिलाओं ने कहा कि योजना से मिलने वाली राशि को अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए लगाएंगे। वे बेटे को उच्च शिक्षा में मदद मिले इसके लिए इस राशि से सहयोग करेंगे। प्रति माह 1000 राशि आने से राहत मिलने के साथ ही बच्चों के बेहतर भविष्य गढ़ने में मदद मिल पाएगी। कुछ महिलाओं ने बताया कि राशि का अपनी बेटी के लिए सुकन्या समृद्धि योजना में निवेश करेंगे। जिससे आने वाले समय में उनके काम आ सके।

महिला सशक्तिकरण की दिशा में आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनने के लिए महतारी वंदन योजना एक कारगर कदम है। जशपुर सहित प्रदेश भर की महिलाओं के स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा इस योजना की शुरूआत की गई है। गांव से लेकर शहर तक महिलाओं में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। महिलाओं को इस योजना से प्रतिमाह 1000 रूपए की राशि दी जाएगी। साल में कुल 12 हजार की राशि भी मिलेगी।

झोलाछाप डॉक्टर ने ली गर्भवती की जान, गलत इंजेक्शन लगाने से हुई मौत

जांजगीर चांपा। गर्भवती महिला की मौत गलत इंजेक्शन के लगाने से हो गई. पुलिस के मुताबिक महिला झोलाछाप डॉक्टर से इलाज करा रही थी. इस बीच डॉक्टर ने गलत इंजेक्शन महिला को लगा दिया. गलत इंजेक्शन देते ही महिला की मौत हो गई. मेडिकल रिपोर्ट में मौत की वजह गलत सुई दिए जाने से हुई है ये बात सामने आई है. पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद पुलिस ने आरोपी झोलाछाप डॉक्टर को गिरफ्तार कर लिया.

परिजनों ने लगाया डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप- दरअसल, डेढ़ साल पहले रुक्मणि नाम की महिला की शादी हीरागढ़ के सहदेव कश्यप से हुई थी. महिला चार माह की गर्भवती थी. 8 दिन पहले महिला उपचार के लिए ध्रुवतो सिकदार के पास भर्ती कराई गई. इलाज के दौरान इंजेक्शन लगाने के बाद महिला की मौत हो गई. इस मामले में परिजनों ने डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाया.

इंजेक्शन के बाद अचानक बिगड़ने लगी महिला की तबीयत- 1 सितम्बर की रात हीरागढ़ गांव में गर्भवती रुक्मणि देवी के हाथ पैरों में दर्द होने लगा. महिला के घरवाले उसे इलाज कराने के लिए गांव के डॉक्टर के पास ले गए. आरोप है कि झोलाछाप डॉक्टर ने महिला को गलत इंजेक्शन लगा दिया. इंजेक्शन लगने के बाद महिला की सांस फूलने लगी. नाक से खून निकलने लगा. महिला की तबीयत बिगड़ने पर उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नवागढ़ में इलाज के लिए भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टर ने महिला को मृत घोषित कर दिया.

पीएम रिपोर्ट में गलत इंजेक्शन से मौत की पुष्टि- मामले की गंभीरता को देखते हुए महिला के शव को न्यायिक मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में पोस्टमार्टम कराया गया. पोस्टमार्टम रिपोर्ट में डाक्टर ने गलत इंजेक्शन लगने की पुष्टि की. इस पर नवागढ़ पुलिस ने गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है.

लवन पुलिस ने किया अंधे क़त्ल का पर्दाफाश, गूंगा सीरियल किलर गिरफ्तार

बलौदाबाजार। बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में दो महिलाओं के अंधे कत्ल का पर्दाफाश करते हुए लवन पुलिस ने एक गूंगे सीरियल किलर तेजराम उर्फ कोंदा को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने जानकारी दी कि तेजराम ने साइन लैंग्वेज विशेषज्ञों की मदद से पूछताछ में दोनों हत्याओं को स्वीकार किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पुलिस को अपराधियों पर सख्त कार्रवाई और शांति व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए हैं।

पहला मामला: मई 2020 की घटना- 29 मई 2020 को ग्राम भालूकोना निवासी रामायण पटेल ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनकी भतीजी अनुपमा बाई का शव महानदी किनारे पेड़ के पास मिला। शव खून से लथपथ था और सिर पर गंभीर चोटें थीं। पुलिस ने घटनास्थल से खून से सनी सूखी लकड़ी बरामद की और अज्ञात आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

दूसरा मामला: मार्च 2023 की घटना- 13 मार्च 2023 को किशन यादव ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि ग्राम भालूकोना की 56 वर्षीय महिला गौरी बाई का शव गांव के पास मिला। सिर और चेहरे पर गंभीर चोटों के साथ शव घसीटने के निशान भी थे। घटनास्थल से खून से सना लकड़ी का टुकड़ा और एक लोहे का हंसिया भी बरामद किया गया। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की।पुलिस जांच और आरोपी की गिरफ्तारी- दोनों मामलों में पुलिस ने ग्रामवासियों से पूछताछ कर घटनास्थल के साक्ष्यों का अध्ययन किया, जिसके आधार पर गांव के ही तेजराम उर्फ कोंदा को संदिग्ध पाया गया। गूंगे आरोपी से साइन लैंग्वेज विशेषज्ञों की मदद से पूछताछ की गई, जिसमें उसने दोनों हत्याओं को स्वीकार किया। आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त हथियार भी बरामद किए गए। तेजराम को 6 सितम्बर को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस की तत्परता और कुशलता से इस जघन्य अपराध का खुलासा संभव हुआ।

संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

दैनिक दैनन्दिनी.

◆ वर्ष-07 ◆अंक- 334 ◆ बिलासपुर, मंगलवार 10 सितंबर 2024 ◆रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ◆ CHHHIN/2017/75085 ◆ पृष्ठ-08 मूल्य-1.50 रुपए

बिलासपुर में स्वाइन फ्लू का कहर, एक महिला की मौत, मिले 5 नए मरीज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में स्वाइन फ्लू का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है. बिलासपुर में स्वाइन फ्लू से फिर एक महिला की मौत हो गई है. इतना ही नहीं जिले में स्वाइन फ्लू के 5 नए मरीज भी मिले हैं. बता दें कि स्वाइन फ्लू से राजस्व कॉलोनी में रहने वाली 59 साल की महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई है. 2 सितंबर को महिला की रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी. स्वाइन फ्लू से अब तक जिले में 9 लोगों की मौत हो गई है. मृतकों में 6 बिलासपुर जिले के मरीज शामिल हैं।

वहीं स्वाइन फ्लू के बढ़ते खतरे को लेकर महासमुंद जिला भी अलर्ट मोड पर है. जिले में अब तक 7 मरीजों की पुष्टि की गई है. स्वाइन फ्लू से पीड़ित एक मरीज इलाज के दौरान दम तोड़ चुका है. इलाज के बाद 4 मरीजों को डिस्चार्ज किया गया है. एक मरीज होम आइसोलेशन में है, वहीं एक का इलाज रायपुर में किया जा रहा है।

बनाया गया स्पेशल वार्ड

स्वाइन फ्लू के बढ़ते मामले को देखते हुए महासमुंद मेडिकल कॉलेज में स्पेशल वार्ड और आईसीयू सेंटर बनाया गया है. लगातार पॉजिटिव मरीजों की कांटैक्ट ट्रेसिंग की जा रही है. स्वास्थ्य विभाग ने स्वाइन फ्लू से बचने लोगों से

अपील की है. इधर, मंगलवार को स्वाइन फ्लू से बिलासपुर में बुजुर्ग महिला की मौत हो गई थी. 91 साल महिला की इलाज के दौरान जान चली गई थी. महिला का निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था. तो वहीं स्वाइन फ्लू के 8 नए मरीजों की पुष्टि की गई थी. बिलासपुर में स्वाइन फ्लू के अब तक 136 मरीज सामने आ चुके हैं।

स्वाइन फ्लू के बढ़ते प्रकोप को लेकर रविवार को कलेक्टर अवनीश शरण ने सिम्स में बैठक लेकर संक्रमण और इलाज व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने स्वाइन फ्लू या अन्य कोई भी मौसमी बीमारी को लेकर अस्पताल में इलाज की सभी तैयारियां पुख्ता रखने कहा है। कलेक्टर के निर्देश पर सीएमएचओ डॉ. प्रभात श्रीवास्तव ने अपोलो अस्पताल का निरीक्षण किया। इस बीच स्वाइन फ्लू का इलाज करा रहे मरीजों से मिल कर उनका हाल जाना। इस दौरान उन्होंने स्वाइन फ्लू के मरीजों के मेडिकल विशेषज्ञ से बैठक कर जांच और उपचार के संबंध में जानकारी ली। डायबिटीज, हाइपर टेंशन, कार्डियक डिजीज, कैंसर, किडनी संबंधी बीमारी से ग्रसित व्यक्ति स्वाइन फ्लू की चपेट में ज्यादा आ रहे हैं, क्योंकि उनमें इम्युनिटी पॉवर कमजोर होता है। लिहाजा ऐसे लोग भीड़भाड़ वाली जगहों में जाने बचें। मास्क लगा कर ही बाहर निकलें।

1. **फिर मिले स्वाइन फ्लू के 3 नए मरीज–** बिलासपुर जिले में धीरे-धीरे स्वाइन फ्लू ने पैर पसार लिया है। लगातार नए मरीजों की पहचान की जा रही है। इसी कड़ी में 3 नए मरीज मिलने से स्वास्थ विभाग में हड़कंप मच गया है।
2. **प्रदेश में स्वाइन फ्लू का बढ़ता प्रकोप–** प्रदेश में लगातार मौत की घंटी बज रही है। स्वाइन फ्लू के बढ़ते प्रकोप से लोग इसके चपेट में आ रहे हैं। बिलासपुर जिले में स्वाइन फ्लू से एक और मौत से लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है।
3. **एक माह में मिले 20 से ज्यादा मरीज–** छत्तीसगढ़ में स्वाइन फ्लू के दस्तक से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। एक माह में 20 से ज्यादा मरीज पाए गए हैं, जिसको लेकर बिलासपुर जिले में अलर्ट जारी कर दिया गया है।

वहीं दुर्ग जिले में भी स्वाइन फ्लू की एंट्री हो चुकी है. अब तक यहां 4 लोगों की मौत हो चुकी है. तो वहीं 13 मरीजों का अस्पतालों में इलाज चल रहा है. एक महीने के भीतर स्वाइन फ्लू के 23 मरीज जिले में मिले हैं. नए केस सामने आने के बाद अब स्वास्थ्य विभाग भी अलर्ट हो गया है।

तहसीलदार ने छात्राओं को दी जेल भेजने की धमकी

ब्लैकमेलिंग और अव्यवस्थाओं के विरोध में छात्राएं कर रहीं थी प्रदर्शन

बिलासपुर। पचपेड़ी में स्कूल की समस्याओं को लेकर छात्राओं ने सोमवार को चक्काजाम कर दिया। इस दौरान मौके पर पहुंची तहसीदार ने छात्राओं को जेल भेजने की धमकी दे दी। महज, आधे घंटे तक प्रदर्शन के बाद चक्काजाम समाप्त भी हो गया। आधे घण्टे तक चके ड्रामा में दो बातें खुलकर सामने आई। बाथरूम वीडियो वायरल करने की धमकी और अव्यवस्था से नाराज छात्राओं ने सड़क जाम जर दिया। समझाने और चर्चा करने आई तहसीलदार ने जेल भेजने की धमकी दी।

इधर, अब छात्राओं को तहसीदार की धमकी देने का वीडियो सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है, जिसमें वो छात्राओं से कह रहीं हैं कि एक बार लिखकर देंगी तो सभी जेल चली जाएंगी। पूरा

मामला पचपेड़ी हायरसेकेण्डरी स्कूल का है।

बता दें कि हाल ही में राजनांदगांव में शिक्षक की मांग लेकर पहुंची छात्राओं को डीईओ (जिला शिक्षा अधिकारी) ने जेल भेजने की धमकी दी थी, जिसके बाद राज्य शासन ने डीईओ अभय जायसवाल को हटा दिया।

अब छात्राओं को जेल भेजने की धमकी देने का मामला बिलासपुर जिले के पचपेड़ी तहसील का है। यहां हायरसेकेण्डरी स्कूल की छात्राओं ने स्कूल और हॉस्टल की समस्याओं को लेकर सोमवार को चक्कजाम कर दिया। छात्राएं नारेबाजी करती हुईं सड़क पर बैठ गई, जिसके बाद मस्तूरी-पचपेड़ी मार्ग में वाहनों की कतार लग गई। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने छात्राओं को समझाइश देने का प्रयास किया। लेकिन, छात्राएं स्कूल और हॉस्टल की अव्यवस्था को दुरुस्त करने की मांग पर अड़ी रहीं।

कुत्तों का आतंकः 40 से ज्यादा लोगों पर हमला, निगम ने चलाया धरपकड़ अभियान

बिलासपुर। बिलासपुर में आवारा और पागल कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे शहरवासियों में दहशत का माहौल है। हाल ही में तोरवा क्षेत्र के देवरीखुर्द, ललखदान, सफेद खदान सहित अन्य इलाकों में पागल कुत्तों ने 8 मासूम बच्चों समेत 40 से अधिक लोगों को काटा है, जिसमें से तीन मासूमों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

दरअसल तोरवा क्षेत्र के देवरीखुर्द, ललखदान, सफेद खदान जैसे इलाकों में पागल कुत्ते की दहशत बनी हुई है। पागल कुत्तों ने 8 मासूमों समेत 40 से ज्यादा लोगो को काटा है। इनमें 3 मासूमों की हालत गंभीर है। सभी घायलों का सिम्स हॉस्पिटल और निजी अस्पतालों में इलाज चल रहा हैं। वहीं पागल कुत्तों के काटने की लगातार मिल रही शिकायत को लेकर के नगर निगम धरपकड़ अभियान चलाकर शहरभर के आवारा कुत्तों को डॉग शेल्टर में शिफ्ट कर रही हैं। कुत्तों की संख्या ने हर किसी को चिंता करने पर मजबूर कर दिया है। इनकी दहशत के चलते अब तो लोग अपने घरों से भी निकलने में एक बार पहले सोचने लगे है, यदि बहुत जरुरी काम हो तभी अपने घरों से निकल रहें हैं। हालाकि नगर निगम कमिश्नर अमित कुमार ने इस कुत्तों के आतंक की घटना को गंभीरता से लिया हैं और डॉग रेस्क्यू अभियान चलाकर शहरभर के कुत्तों को पकड़ा जा रहा है। सिम्स के अधीक्षक डॉ. एसके नायक ने बताया कि, लगातार कुत्तों के काटने के मामले सामने आ रहे हैं ऐसे में अस्पताल प्रबंधन भी पूरी तरह से सतर्क हो गया है। सीजनल रूप से डॉग बाइट के केस आते है। वर्तमान समय में भी हर उम्र के लोगो अपना इलाज कराने पहुंचे हैं। सिम्स में एंटी रेबीज के इंजेक्शन और अन्य आवश्यक दवाइयां उपलब्ध है। ऐसे समय में तत्काल उपचार किया जा रहा है। फिलहाल केस बढ़े है, जिसे लेकर अस्पताल प्रबंधन अलर्ट है।

दोस्त से कहा- मैं वही हूं जिसने पुराना बस स्टैंड में की है चौहान की हत्या, फिर चाकू से किया जानलेवा हमला

बिलासपुर। राहुल सिंह हत्याकांड के मुख्य आरोपित ने नशे का इंजेक्शन ना देने पर अपने दोस्त पर चाकू से जानलेवा हमला कर घायल कर दिया। घटना शनिवार रात 11 बजे चिंगराजपारा अमरैया चौक के पास हुई। आरोपित ने चाकू मारने से पहले अपने दोस्त को यह कहकर चाकू मारा कि वह वही हैं, जिसने पुराना बस स्टैण्ड में चौहान की हत्या की है। पुलिस उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकती। हत्या के आरोपित द्वारा चाकूबाजी की वारदात को अंजाम देने के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

पुलिस के अनुसार सरकंडा अमरैया चौक चिंगराजपारा निवासी गोलू नशे का आदी है। शनिवार रात 11 बजे दीपक सिंह उसके पास पहुंचा और नशे का इंजेक्शन की मांग करने लगा। गोलू ने उसे नशे का इंजेक्शन ना होने की बात बताई।

गोलू के इन्कार करने पर गुस्साए दीपक सिंह ने चाकू से गोलू पर जानलेवा हमला कर फरार हो गया। चाकूबाजी में घायल गोलू को कुछ लोग सिम्स लेकर पहुंचे और उपचार के लिए दाखिल कराया। स्थिति में सुधार होने के बाद जब गोलू ने सभी को घटना में शामिल युवक का नाम बताया तो पुलिस के कान भी खड़े हो गए। घटना की जानकारी होने के बाद सरकंडा, तारबाहर व स्पेशल टीम सहित एसीसीयू की अलग-अलग टीम बनाकर आरोपित की तलाश में लगाया गया है। अधिकारियों की मानें तो आरोपित की तलाश में लगातार दबिश दी जा रही है।

पुराना बस स्टैंड के पास 25 अगस्त की रात 11 बजे राहुल सिंह की हत्या करने के बाद फरार हुआ दीपक सिंह लगातार पुलिस को चकमा दे रहा है। नशा नहीं मिलने पर वह अपने दोस्त के पास चिंगराजपारा पहुंचा और उससे नशे का इंजेक्शन मांगा।

आरोपित व गोलू पहले भी साथ में इंजेक्शन का नशा करते थे। नशे के हर ठिकाने पर पुलिस के मुखबिर हैं, इस कारण आरोपित अपने दोस्तों से मिलकर नशे की लत को पूरा कर रहा है।

राहुल सिंह हत्याकांड का मुख्य आरोपित दीपक सिंह पुलिस को लगातार चकमा देकर शहर में घूम-घूमकर वह वारदात को अंजाम दे रहा है। पुलिस हर बार उस तक पहुंचती है लेकिन वह पुलिस को चकमा देकर हर बार भाग जाता है।

राहुल सिंह की हत्या में दीपक सिंह का हाथ होने की जानकारी होने पर घायल गोलू उपचार के बाद सीधे तारबाहर थाने पहुंचा और घटना की जानकारी दी। घटना स्थल सरकंडा होने की वजह से तारबाहर पुलिस उसे अपने साथ सरकंडा थाने लेकर पहुंची। सरकंडा पुलिस आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

वर्जन...

राहुल सिंह हत्याकांड के आरोपित अपनी नशे की लत को पूरा करने के लिए अपने दोस्त के पास सरकंडा पहुंचा था। आरोपित ने इंजेक्शन नहीं मिलने पर अपने साथी पर ही चाकू से हमला कर घायल किया है। उसे पकड़ने के लिए टीम का गठन कर जगह-जगह दबिश दी जा रही है। उसे जल्द गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जाएगा।

उमेश कश्यप
एएसपी शहर

अवैध रूप से शराब बिक्र करने वालों पर पुलिस का प्रहार

बिलासपुर। पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह भापुसे के निर्देशानुसार व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अर्चना झा एवं उप पुलिस अधीक्षक उदयन बेहार के मार्गदर्शन में ग्रामीण क्षेत्रों में

अवैध शराब बिक्री करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जा रही हैं इसी क्रम में अवैध रूप से शराब बिक्री करने की सूचना प्राप्त होने पर पुसकें मल्हार प्रभारी उप निरीक्षक भावेश शेन्डे के द्वारा कार्यवाही करने हेतु तत्काल टीम गठित किया गया पतासाजी हेतु अलग अलग स्थानों पर मुखबिर तैनात किया गया था इसी कड़ी में जरिये मुखबिर के माध्यम से सूचना मिला की ग्राम विद्याडीह में शिवराज जायसवाल नामक व्यक्ति अवैध रूप से शराब बिक्री कर रहा है मुखबिर की सूचना पर त्वरित कार्यवाही हेतु पुसकें प्रभारी उप निरीक्षक भावेश शेन्डे टीम के साथ मौके पर रवाना होकर ग्राम विद्याडीह में आरोपी के घर के पास पहुंचने पर पुलिस को देखकर कुछ व्यक्ति खेत जंगल की ओर भाग गये अवैध रूप से शराब बिक्री कर रहे व्यक्ति को घेराबंदी कर पकडकर पूछताछ करने पर अपना नाम शिवराज जायसवाल पिता रामायाण जायसवाल उम्र 38 साल साकिन ग्राम विद्याडीह मल्हार थाना मस्तूरी जिला बिलासपुर छ.ग.का रहने वाले बताया उसके कब्जे में रखे एक सफेद रंग के प्लास्टिक के बोरी की तलाशी लेने पर बोरी में रखा हुआ छोटा पॉलिथिन का पाउच 54 नग हाथ भट्ठी का तैयार किया हुआ महुआ शराब जुमला कीमती 5400 रू व उसके पेंट के दाहिना जेब से नगदी बिकी रकम 300 रु मिलने पर आरोपी को शराब रखने बिक्री करने के संबंध में वैध कागजात पेश करने हेतु नोटिस तामिल किया गया.

आगे से सोना, पीछे से पीतल दिख रहा सबसे बड़ा सरकारी अस्पताल सिम्स

बिलासपुर. बिलासपुर जिले का सबसे बड़ा सरकारी अस्पताल छत्तीसगढ़ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस यानी सिम्स अक्सर विवादों में रहता है. कभी इलाज में लापरवाही, कभी सुविधाओं की कमी, कभी जांच मशीनों की खराबी और कभी स्टाफ की कमी की वजह से ये अस्पताल अक्सर सुर्खियों में रहता है. लेकिन इस बार, सिम्स अस्पताल की चौंकाने वाली तस्वीर सामने आई है. इसे सामने से देखने पर लग रहा है कि इस अस्पताल की किस्मत बदल गई है. लेकिन सच्चाई कुछ और ही है.

दरअसल, सिम्स इन दिनों चमक रहा है. सामने से इसकी खूबसूरती देखते ही बन रही है. इसे देखने पर लग रहा है जैसे किसी अंतरराष्ट्रीय संस्थान में आ गए हों, लेकिन इस बिल्डिंग के पीछे का नजारा चौंकाता है. पीछे की ओर दीवारें जर्जर हैं, इमारत में बरगद-पीपल के पेड़ उग आए हैं और छत से पानी टपक रहा है. इसे लेकर स्थानीय लोगों का कहना है कि केवल रंग-रोगन करने से अस्पताल की असलियत पर पर्दा नहीं डाला जा सकता. आज मरीजों को बेहतर इलाज की जरूरत है. इसलिए अस्पताल में बेहतर इलाज पर ध्यान दिया जाए, न कि फिजूलखर्ची पर.

इस मामले को लेकर सिम्स के डीन डॉ. केके सहारे का कहना है कि हाई कोर्ट के निर्देश के बाद अस्पताल की इमारत का जीर्णोद्धार पीडब्ल्यूडी और सीजी एमएससी द्वारा किया जा रहा है. जहां-जहां लीकेज था, जहां-जहां पेड़ लगे थे, उन्हें ठीक किया गया है. हम बिल्डिंग का लगातार रिनोवेशन कर रहे हैं. हम जनता को सुविधाएं देने की कोशिश कर रहे हैं. हम नई बिल्डिंग बनवाने की भी कोशिश कर रहे हैं. इसका रिनोवेशन बहुत जरूरी था. गौरतलब है कि, 60 साल पुरानी इस इमारत के रिनोवेशन पर सवाल उठ रहे हैं. विभाग को अगर पता है कि इस इमारत की बुनियाद कमजोर हो चुकी है, तो फिर इसमें करोड़ों रुपये क्यों खर्च किए जा रहे हैं? खासकर तब, जब कोनी में 700 करोड़ की लागत से नई अस्पताल बिल्डिंग बनने वाली है. इसके लिए लिए 10 करोड़ रुपये पहले ही मंजूर हो चुके हैं. इस स्थिति में, रंग-रोगन में करोड़ों रुपये खर्च करने की बजाय, अस्पताल में बेहतर इलाज के लिए आवश्यक उपकरण और स्टाफ की कमी को दूर करने पर जोर देना चाहिए, ताकि मरीजों को समय पर इलाज का लाभ मिल सके.

2018 में बन चुका अस्पताल, फिर भी इलाज के लिए दूर-दूर तक भटक रहे मरीज

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर से चौंकाने वाली खबर है. यहां स्वास्थ्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण 100 बिस्तरों वाला अस्पताल लापरवाही की भेंट चढ़ गया है. यहां स्वास्थ्य विभाग और राजनीतिक दल मरीजों को लेकर गंभीर नहीं है. चौंकाने वाले इस मामले में साल 2018 में तैयार ये अस्पताल राजनीति की भेंट चढ़ गया. अब आलम यह है कि साल 2024 में भी इसका उद्घाटन नहीं हो सका है. दूसरी ओर, यहां असामाजिक तत्वों ने कब्जा कर लिया है. यह बिल्डिंग पूरी तरह खंडहर में बदल गई है. अस्पताल की जगह तबेला बन गया है. बता दें, इस अस्पताल को छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विस कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने बनाया था. उस वक्त बीजेपी की सरकार थी. मस्तूरी विधानसभा के सीपत में बने इस अस्पताल की लागत 8 करोड़ रुपए है. 100 बिस्तरों वाले इस अस्पताल के लिए स्वीकृति साल 2016 में मिली थी. उसके बाद इसे साल 2018 पूरी तरह तैयार कर दिया गया. लेकिन, इस बीच राज्य की सरकार बदल गई. सरकार बदलने के साथ ही यह अस्पताल राजनीति और सिस्टम की लापरवाही का शिकार हो गया.

खंडहर बन गई इमारत–6 साल से उद्घाटन का इंतजार कर रहा हॉस्पिटल अब खंडहर बन गया है. दरवाजे, खिड़कियां और अन्य जरूरी सामान लुटेरे लूट चुके हैं. इस अस्पताल को इसलिए बनवाया गया था ताकि गांववालों को छोटी-छोटी बीमारियों के लिए दूर-दराज के अस्पतालों में न जाना पड़े. लेकिन, वे इसके लिए मजबूर हैं. यह स्थिति स्वास्थ्य सेवाओं की दयनीय हालत और सरकारी तंत्र की उदासीनता पर गंभीर सवाल खड़े करती है. एक ओर जहां ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं की जरूरत है, वहीं दूसरी ओर यह अस्पताल बिना उपयोग के बर्बाद हो रहा है.

निधन

श्रीमती मधुवीना वर्मा

गरियाबंद। गरियाबंद के वरिष्ठ अधिवक्ता राम कुमार वर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती मधुवीना वर्मा का आकस्मिक निधन दिनांक 08/09/2024 को हुआ है। उनका अंतिम संस्कार स्थानीय मुक्तिधाम गरियाबंद में किया गया। श्रीमती मधुवीणा वर्मा, लक्ष्मण वर्मा, मनोज वर्मा, अरुण वर्मा, प्रदीप वर्मा एवं संजय वर्मा की बड़ी भाभी थी। एवं निश्चल वर्मा एवं सोनम श्रीवास्तव की माता जी थी। उनके अंतिम संस्कार में नगर के गणमान्य नागरिक सम्मिलित हुए।

शुरूआत कश्मीर से पर विस्तार राज्यों में होगा...

संपादकीय

चुनाव मतलब होता है कि वोट के लिए वादों की होड़। जिसमें ज्यादातर दल जनता से वोट लेने के लिए बड़े लुभावने वादे करते हैं।वादों को देखकर ऐसा लगता है कि वह चुनाव सत्ता के लिए नहीं जनता को नगद पैसा व सुविधाएं देने के लिए चुनाव लड़ रहे हैं।ऐसे में चुनाव जीतने के लिए जरूरी हो जाता है कि भाजपा भी ऐसी घोषणाएं करें। बाकी दल और भाजपा नगद पैसा व मुफ्त वाली घोषणाएं करती है लेकिन बाकी दलों व भाजपा में एक अंतर यह है कि भाजपा बाकी दलों को चुनाव न जीतने देने के लिए ऐसी घोषणाएं करती ताकि वह सत्ता में आकर राज्य व देश की अर्थव्यवस्था को नुकसान न पहुंचा सकें।बाकी दल चुनाव जीतने के लिए ऐसी घोषणाएं करते है, वह चुनाव जीतने के लिए यह भी नहीं सोचते है, नगद पैसे व मुफ्त की सुविधाएं देने के लिए पैसा कहां से आएगा। इसका परिणाम यह होता है कि राज्य का विकास प्रभावित होता है,बजट का ज्यादातर पैसा नगद पैसा देने व मुफ्त की सुविधाओं में खर्च हो जाता है तो वेतन देने के लिए पैसा भी नहीं बचता है।कांग्रेस शासित हिमाचल,कर्नाटक में यही हुआ है।वहां पैसे जुटाने के लिए टैक्स बढ़ाए गए हैं।लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी ने महिलाओं को खटाखट एक लाख रुपए साल में देने का वादा किया लेकिन हिमाचल,कर्नाटक में कांग्रेस सरकार का हाल देखकर देश की जनता ने राहुल गांधी के खटाखट नगद पैसे के माडल को नकार दिया। जनता ने राहुल गांधी के खटाखट माडल को पहली बार नहीं नकारा है यह दूसरी बार नकारा है। राहुल गांधी ने पहली बार न्याय योजना के तहत छह हजार रुपए महीना उसके बाद साढ़े आठ हजार रुपए महीना देने का वादा किया लेकिन जनता ने उस पर भरोसा नहीं किया क्योंकि राहुल गांधी यह बता नहीं पाए की पैसा कहां से आएगा,जनता देख चुकी है कि हिमाचल व कर्नाटक में कांग्रेस ने पैसा कहां से लाया। राहुल गांधी के खटाखट माडल की खामी यही है कि वह बताते नहीं है कि पैसा कहां से आएगा।भाजपा के माडल में पहले पैसे का जुगाड़ किया जाता है, उसके बाद वादा किया जाता है, इसलिए जनता मोदी के छह हजार किसान सम्मान निधि पर भरोसा करती है। राहुल गांधी के छिहत्तर हजार पर भरोसा नहीं करती है। अब कश्मीर व हरियाणा में विधानसभा चुनाव है तो भाजपा ने जम्मू कश्मीर चुनाव के लिए घोषणा पत्र जारी कर दिया है। इसमें भी भाजपा ने विद्यार्थियों को लैपटाप, कालेज के छात्रों को तीन हजार रुपए ट्रेवल एलाउंस,अग्निवीरों को सरकारी नौकरियों व पुलिस भर्ती में २० प्रतिशत आरक्षण, महिलाओं को १८हजार रुपए सालाना,उज्जवला योजना में दो गैस सिलेंडर मुफ्त,किसान सम्मान निधि छह हजार की जगह १० रुपए,पांच लाख रोजगार का वादा किया है।गौर किया जाए तो भाजपा ने जीतने के लिए मप्र, राजस्थान, छत्तीसगढ़ में चुनाव जीतने के लिए जो योजना बनाई थी वही योजना हरियाणा जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव जीतने के लिए बनाई है। युवा,किसान, महिला व गरीब का खास ख्याल रखना। कई राज्यों में इन चारों से भाजपा ने जो वादा किया है, उसे पूरा भी कर रही है।वादा पूरा करने के मामले में भाजपा कांग्रेस से बेहतर है तो इसलिए कि वह अपना वादा पूरा करती है तो इससे राज्य के विकास पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ता है। राज्य व केंद्र मिलकर वादा पूरा कर लेते है,वहीं कांग्रेस को राज्य में अकेले ही सब करना पड़ता है इससे पूरा बोझ राज्य पर पड़ता है और राज्य की आर्थिक स्थिति बदहाल हो जाती है। हिमाचल व कर्नाटक में यही हुआ है।जबकि राजस्थान, म्प्र,छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार है,यहां भी चुनावी वादे पूरे किए गए हैं पर राज्यों की आर्थिक स्थिति बदहाल तो नहीं है। यह जनता को दिखाई देता है कि कौन सरकार अच्छे से चला रहा है।जम्मू कश्मीर में किसानों, महिलाओं व युवाओं को ज्यादा नगद पैसा व सुविधाएं दी जा रही हैं तो तय है कि हरियाणा में भी ज्यादा पैसा व सुविधाएं किसानों, महिलाओं, युवाओं व गरीबों को दिया जाएगा।इसके बाद महाराष्ट्र, झारखंड के चुनाव में यही किया जाएगा।भाजपा का किसानों को सम्मान निधि देने की योजना ऐसी योजना है कि कांग्रेस इसका मुकाबला नहीं कर सकती। क्योंकि भाजपा किसानों को कांग्रेस से ज्यादा पैसा देने की स्थिति में हमेशा रहेगी। क्योंकि केंद्र की तरफ से छह हजार रुपए किसानों को दिया ही जा रहा है। अब भाजपा राज्यों में इसे दस हजार रुपए करती है तो छह हजार केंद्र व चार हजार राज्य मिलाकर दस हजार रुपए दे सकते हैं लेकिन कांग्रेस यदि कहती है कि वह किसानों को दस हजार रुपए देगी उसे राज्य से ही दस हजार रुपए किसानों को देने होंगे यानी पूरा बोझ राज्य पर पड़ेगा तो राज्य की आर्थिक हालत खराब होनी ही है।भाजपा की सरकार में प्लस प्वाइंट यह भी है कि उसकी सरकार में भ्रष्टाचार नहीं होता है या कम होता है,जबकि कांग्रेस सरकार में भ्रष्टाचार ज्यादा होता है, इसलिए भी कांग्रेस सरकार एक बार चुनी जाने के बाद दूसरी बार चुनी नहीं जाती है। कांग्रेस व भाजपा में एक फर्क यह भी है कि नरेंद्र मोदी भ्रष्टाचार विरोधी है, जबकि कांग्रेस के पास नरेंद्र मोदी के समान एक भी नेता भ्रष्टाचार विरोधी नहीं है।

अतीत और वर्तमान, बाधाओं से जूझती रही हिंदी

उमेश चतुर्वेदी

राजभाषा के नाम पर इस रस्म को आयोजित होने की परंपरा को विकसित करने में संविधान सभा के उस विधान की बड़ी भूमिका रही, जिसके तहत हिंदी को संविधान लागू होने से पंद्रह वर्षों तक के लिए टाल दिया गया।

हिंदी की जब भी चर्चा होती है, दो तरह के भाव आते हैं। इसे लेकर पहला भाव उत्साह और गर्वबोध वाला होता है। हिंदी के क्षितिज के लगातार हो रहे विस्तार और उसके गवीर्ले अतीत को लेकर हिंदीप्रेमी जहां उत्साह से भर उठते हैं, वहीं अंग्रेजी माध्यम से पढ़े गुलामी की मानसिकता वालों के चेहरे पर विद्रूप और व्यंग्यभरी मुस्कान चिपक जाती है। दक्षिण और पूर्वी भारत के कुछ इलाकों के राजनीतिक तो हिंदी से अछूत जैसा व्यवहार करने में स्वयं जहां गर्वबोध का अनुभव करते हैं, वहीं अपने समर्थकों को हिंदी को दुश्मन की तरह मानने के लिए उकसाने में भी पीछे नहीं रहते। इसके बावजूद हिंदी का प्रभाव क्षेत्र बढ़ता जा रहा है, विशेषकर आमजन की बोली-बानी के रूप में यह स्थापित होती जा रही है। इतने सारे विरोध के बावजूद और अड़ंगे के बावजूद हिंदी अगर बढ़ती नजर आ रही है तो मानना पड़ेगा कि उसमें कुछ बात जरूर है। हिंदी के इस प्रभावी हश्र पर इकबाल की पंक्तियां याद आना स्वाभाविक है,

कुछ बात है कि हस्ती, मिटती नहीं हमारी।
सदियों रहा है दुश्मन, दौर-ए-जमाँ हमारा।।

हिंदी की राह में आजादी के पहले ज्यादा बाधाएं नहीं थीं। इसकी शायद यह बड़ी वजह रही कि भारतीय स्वाधीनता आंदोलन के अगुआ महात्मा गांधी स्वयं हिंदी के हिमायती थे। उनके पहले केशव चंद्र सेन, लोकमान्य तिलक जैसी हस्तियां भी देश के हृदयों को नजदीक लाने में हिंदी की सामर्थ्य को पहचान चुके थे। इसीलिए गैर हिंदीभाषी होने के बावजूद उन्होंने स्वाधीनता आंदोलन की केंद्रीय भाषा हिंदी को बनाने की कोशिश की और भावी भारत की भाषायी जरूरतों के लिहाज से हिंदी को तैयार करने की कोशिश भी की। दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, कर्नाटक हिंदी प्रचार सभा, राष्ट्रभाषा प्रचार समिति जैसी संस्थाओं की स्थापना का उद्देश्य हिंदी को भावी भारत की भाषायी जरूरत के लिहाज से ना सिर्फ तैयार करना था, बल्कि भारतीय भाषाओं के बीच मजबूत सेतु के रूप में स्थापित करना भी था। हिंदी इस दिशा में आगे बढ़ती रही। कांग्रेस के दस्तावेज भले ही अंग्रेजी बनते रहे, लेकिन बहसों और उसके वार्षिक अधिवेशनों की भाषा हिंदी ही रही। 1938 में कांग्रेस का अध्यक्ष चुने जाने के बाद हिंदी के इस प्रभाव को सुभाष चंद्र बोस ने भी समझा और बाकायदा हिंदी सीखी। कांग्रेस अध्यक्ष के नाते पार्टी के वार्षिक अधिवेशन को उन्होंने हिंदी में ही संबोधित किया था, जिसकी रिकॉर्डिंग आकाशवाणी के आर्काइब में आज भी सुरक्षित है। उनकी मीठी हिंदी एक तरह से मोहती है। उसे सुन लगता है कि स्वाधीनता संग्राम में हिंदी किस तरह सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही थी।

जिस हिंदी का ऐसा इतिहास रहा हो, जिसे विनोबा जैसे संघर्षशील और त्यागी-तपस्वी व्यक्ति ने अपनी भाषायी तपःसाधना का माध्यम बनाया हो, उसे स्वाधीनता के बाद तेजी से विस्तारित होना चाहिए था। वह विस्तारित तो हुई, लेकिन उस रूप में स्थापित नहीं हुई, जिस रूप में स्वाधीनता सेनानियों ने सोचा था। राजभाषा की उसे पदवी तो मिली, लेकिन वह रस्मी ही साबित हुई। राजभाषा की भूमिका सरकारी दफ्तरों में सिर्फ हिंदी पखवाड़े या महीने में कार्यालयों में रस्मी निबंध, कहानी और कविता प्रतियोगिता आयोजित करने और किसी हिंदी विद्वान को बुलाकर उंघते और उबते कर्मचारियों के बीच भाषण कराने तक सीमित रह गई। हिंदी दिवस पाखंड बन कर रह गया। अच्छी बात यह कह सकते हैं कि इस बहाने सरकारी कार्यालयों के कुछ कर्मचारियों को कुछ नगद रकम बतौर पारितोषिक मिल जाती है, और बाकी कर्मचारियों को मिठाई और नाश्ता आदि और फिर हिंदी की पूरे वर्षभर के लिए राजभाषा के रूप में इतिश्री हो जाती है। राजभाषा के नाम पर इस रस्म को आयोजित होने की परंपरा को विकसित करने में संविधान सभा के उस विधान की बड़ी भूमिका रही, जिसके तहत हिंदी को संविधान लागू होने से पंद्रह वर्षों तक के लिए टाल दिया गया। कहा गया कि इतने दिनों में हिंदी राजकाज में स्थापित अंग्रेजी का स्थान लेने लायक हो जाएगी। लेकिन इसी बीच अंग्रेजी समर्थकों, हिंदी विरोधी कहना ज्यादा समीचीन होगा, ने हिंदी के खिलाफ षडयंत्र जारी रखा। इसके लिए उन्होंने अंग्रेजी को हिंदी की तुलना में ज्यादा गंभीर और प्रभावी रूप से स्थापित किया। इतना नहीं, इस बीच हिंदीतर दूसरी भारतीय भाषाओं के मन में हिंदी को लेकर लगातार जहर भरा जाता रहा। इसमें अंग्रेजी शिक्षा और उसके जरिए मिलने वाली सुख-सुविधाएं और बेहतर नौकरियों ने बड़ा योगदान दिया। अगर आजादी के तुरंत बाद हिंदी को लागू कर दिया जाता और हिंदी को विकसित करने के तर्क को परे सरका दिया गया होता तो आज हिंदी कुछ उसी तरह स्थापित होती, जैसे इंडोनेशिया और तुर्की में हुआ। इसे संयोग ही कहेंगे कि भारत से ठीक दो वर्ष पहले 17 अगस्त 1945 को इंडोनेशिया डच शासन से मुक्त हुआ था। तब तक इंडोनेशिया के राजकाज की भाषा डच होती थी। लेकिन आजादी मिलते ही इंडोनेशिया के शासक सुकर्णो ने तुरंत अपनी भाषा ह्यबहासा इंडोनेशियाह्न को लागू कर दिया। कुछ इसी तरह 23 अक्टूबर 1923 को जब आधुनिक तुर्की गणराज्य की स्थापना हुई, तब वहां के स्वाधीनता सेनानी और शासक कमाल अतातुर्क ने तत्काल तुर्की भाषा को राजकाज की भाषा के रूप में लागू कर दिया। अगर भारत में भी कुछ हिंदी के साथ ऐसा ही हुआ होता तो निश्चित तौर पर इतिहास और परिदृश्य दोनों अलग होते। स्वाधीन भारत से एक और गलती हुई है। वैसे इसे गलती मानें या जानबूझकर रचा गया हिंदीविरोधी षड्यंत्र कहें। स्वाधीन भारत की नौकरशाही की भाषा अंग्रेजी ही रही। या यूं कहें कि हिंदी या भारतीय भाषाओं की बजाय अंग्रेजी माध्यम के छात्रों के लिए ऐसी राह तैयार की गई कि वे ही नौकरशाही में आ सकें। भारतीय भाषाओं को संघ लोकसेवा आयोग की परीक्षाओं का माध्यम बनाने के लिए आंदोलन चला तो उसके दबाव में भारतीय भाषाएं आयोग की परीक्षाओं का माध्यम बनीं तो लेकिन परीक्षाओं और चयन प्रक्रिया का ढांचा ऐसा बना रहा कि अंग्रेजी माध्यम के छात्र ही ज्यादा चुने जाते रहे। हिंदी या भारतीय भाषाओं के माध्यम से शिक्षित इक्का-दुक्का विद्यार्थी अगर नौकरशाही में प्रवेश पाने में सफल रहे भी तो उनकी स्थिति ह्यनक्कारखाने में तूती की आवाजह्न जैसी रही। नरेंद्र मोदी के उभार और मोदी-शाह की जोड़ी के हिंदी प्रेम के चलते नौकरशाही में हिंदी के प्रति रूझान दिखा। नौकरशाही की भाषायी सोच में परिवर्तन आता दिखा भी। लेकिन अब पीछे मुड़कर देखते हैं तो लगता है कि वह नौकरशाही की रणनीतिक चाल रही। नौकरशाही ने शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व को प्रभावित करने के लिए भारतीय भाषाओं के प्रति प्रेम का संकेतभर दिया। लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही रही। हिंदी और भारतीय भाषाएं राजकाज में एक बार फिर पीछे हो गई हैं। अग्रेजी अब भी नौकरशाही और राजकाज में वर्चस्व बनाए हुए है। उसके मनोभाव उसके इरादे को एक बार फिर जाहिर करने लगे हैं। वह एक बार फिर हिंदी पर अंग्रेजी को ही उपर रखने लगी है। राजकाज एक बार फिर पुरानी पटरी पर कम से कम भाषायी लिहाज से लौटने लगा है। हिंदी को लेकर ऐसा रूख नौकरशाही अगर दिखाती है तो इसकी वजह हिंदी और भारतीय भाषाओं के बीच की आपसी खींचतान के साथ ही शासन की रस्मी भाषा नीति भी है।

आत्महत्या समस्या का हल नहीं, कमजोरी है

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

आत्महत्या कभी भी, किसी भी समस्या का समाधान नहीं है, बल्कि आत्महत्या एक अपराध है। समस्याओं से भागना कमजोरी है, सभी प्राणियों में सबसे बुद्धिमान मनुष्य है, लेकिन पूरी दुनिया में मनुष्य के अलावा कोई भी जानवर या जीव आत्महत्या नहीं करता। जब एक प्राणी भी अपने जीवन के अंत तक संघर्ष करता है, तो आज के आधुनिक समाज में सुविधा संपन्न व्यक्ति आत्महत्या क्यों करता है, यह पूरी तरह से अनुचित है। जीवन में हर व्यक्ति का संघर्ष दूसरों को बेहतर जीवन जीने के लिए प्रेरित करता है। असफलता हमें सिखाती है कि क्या नहीं करना चाहिए। दुख है तो सुख भी है, नफरत है तो प्रेम भी है, असत्य है तो सत्य भी है, बुराई है तो अच्छाई भी है। हर दिन एक जैसा नहीं होता, परिवर्तन संसार का नियम है। पशु-पक्षी, जीव-जन्तु कभी निराश नहीं होते, जब तक जीवन है, तब तक काम करते हैं, जब वे कठिनाइयों का सामना करते हैं तो उनकी मदद करने वाला तक कोई नहीं होता।

आत्महत्या से वैश्विक स्तर पर हर साल 7 लाख से अधिक मौतें होती हैं। आत्महत्या से घर परिवार, समुदाय पर गहरा प्रभाव पड़ता है। घर के किसी व्यक्ति के जाने के बाद उसकी कमी कोई पूरी नहीं कर सकता। आत्महत्या से परिवार के लोगो को आर्थिक, मानसिक, सामाजिक पीड़ा सहनी पड़ती है। इस साल 2024 से 2026 तक के लिए ₹विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस₹ का त्रिवार्षिक थीम ₹बातचीत शुरू करने₹ के आह्वान के साथ ₹आत्महत्या पर कथा बदलना₹ है। इस थीम का उद्देश्य जागरूकता बढ़ाना और आत्महत्या की रोकथाम के बारे में खुली बातचीत को प्रोत्साहित करना है। चुप्पी और कलंक की संस्कृति से खुलेपन, समझ और समर्थन की संस्कृति में बदल सकते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन अनुसार, जितने लोग आत्महत्या करते है उससे 20 गुना अधिक लोग आत्महत्या का प्रयास करते हैं, दुनिया में औसतन हर 40 सेकंड में आत्महत्या से एक मौत और हर 3 सेकंड में एक आत्महत्या का प्रयास है।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के आधार पर ₹छात्र आत्महत्या : भारत में फैलती महामारी₹ रिपोर्ट 2024 अनुसार, हर साल आत्महत्याओं में 2 प्रतिशत की वृद्धि हो रही है और चौंकानेवाली बात है कि छात्र आत्महत्याओं में 4 प्रतिशत की वृद्धि हुयी है। दुनिया में सबसे ज्यादा आत्महत्याएं भारत में होती हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो रिपोर्ट के अनुसार, 2022 में 171,000 लोग आत्महत्या से मर गए, जिसमें 2021 की तुलना में 4.2% की वृद्धि और 2018 की तुलना में 27% की वृद्धि दर्ज की गई। एक लाख पर आत्महत्या की दर 12.4 हो गई है, जो बहुत अधिक है। 2022 में देश में 1.7 लाख आत्महत्या से होने वाली मौतों में से 13.3% के साथ, महाराष्ट्र राज्य देश की आत्महत्या राजधानी के रूप में शीर्ष पर है। महाराष्ट्र राज्य के राहत और पुनर्वास विभाग की एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले साल महाराष्ट्र राज्य में 2,851 किसानों ने वित्तीय संकट के कारण आत्महत्या करके अपनी जान दे दी। 2022 में यह संख्या बढ़कर 2,942 हो गई, जबकि 2021 में यह 2,743 थी।

सरकारी अधिकारियों की गलतियों, लापरवाही और भ्रष्टाचार के कारण कई दुर्घटनाएं होती हैं, जिनमें हमेशा जान-माल की हानि होती है, ऐसी दुर्घटनाओं में हर साल बड़ी संख्या में लोग मारे जाते हैं, फिर भी दोषी अधिकारी ये अपराधी होकर भी आत्मग्लानि में नहीं जलते और आत्महत्या नहीं करते, फिर हम क्यों छोटी-छोटी बात पर अपना आपा खो देते है। मनुष्य की बुराइयों ने आज जीवन को कठिन बना दिया है, क्योंकि मनुष्य के लालच और स्वार्थ ने समस्याएं पैदा कर दी हैं। झूठा दिखावा, लोगों से अत्यधिक अपेक्षाएं या ज्यादा भरोसा, घमंड, नशे की लत, संस्कार की कमी, गलत संगत, कथनी-करनी में अंतर, अनियंत्रित भावनाएं, मेहनत की कमी, आलस्य, कमजोर महसूस करना, जल्दी हार मानना, संतुष्टि की कमी ये सब मानव निर्मित समस्याएं हैं, जो मृत्यु का कारण भी बनती है।

जो जीत हासिल करना जानते है, उन्होंने ही दुनिया में इतिहास रचा है, क्योंकि उन्होंने संघर्ष किया है, अपना लोहा मनवाया है।

जिंदादिली का सबसे बड़ा उदाहरण हमारे देश के नेता हैं, हमें उनसे सीखना चाहिए कि हर कठिन परिस्थिति में सकारात्मक सोच कैसे रखनी चाहिए। चुनाव जीते-हारे, दलबदल, घोटालों का गंभीर आरोप लगे या उन पर केस हो, जेल जाना पड़े, मंत्रीपद छोड़ना पड़े, गठबंधन टूट जाए, प्रतिद्वंदियों से हाथ मिलाना पड़े, लेकिन नेता हमेशा तनाव को नियंत्रित रखते है, हर हाल में जनता को सकारात्मक वादे करते हैं और खुद भी स्वस्थ बने रहते हैं। चुनाव के दौरान वह बारिश और धूप में लगातार रैली करते है, यहां तक कि कम नींद लेकर भी अपनी ऊर्जा बनाये रखते है। उम्र का उन पर ज्यादा असर नहीं दिखता, वे हर दिन 12-14 घंटे व्यस्त रहते हैं। मुश्किल प्रसंग में भी आत्महत्या के बारे में नहीं सोचते, यह आदतें, व्यवहार, बातें हम सभी को सीखने की जरूरत है।

इंसानी जज्बे, बुलंद हौसले और जुनून की अनूठी मिसाल माउंटेन मैन दशरथ मांझी जो बिहार के ग्रामीण क्षेत्र के अतिसामान्य गरीब बुजुर्ग व्यक्ति, जिन्होंने अकेले लगातार 22 साल हथोड़े छेनी के मदद से पहाड़ काटकर रास्ता बनाया। लोग पहले उन्हें पागल कहते थे, लेकिन उन्होंने पूरी दुनिया में इतिहास रच दिया। धुप, बारिश, तूफान हर मौसम की चुनौतियों को पार कर एक वयोवृद्ध व्यक्ति ने असंभव को संभव बना दिया। जरा सोचकर देखो कि इन 22 सालों में उन्हें कितनी तकलीफें सहनी पड़ी होगी, लेकिन उनका लक्ष्य केवल एक था, वे अपने लक्ष्य से कभी विचलित नहीं हुए, न कभी हिम्मत हारी। इसे कहते है सकारात्मक सोच का जज्बा। पैरालंपिक में दुनिया के दिव्यांग खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ कौशल दिखाते हैं और देश के लिए पदक जीतकर देश का मान बढ़ाते हैं। स्टीफन विलियम हॉकिंग जैसे कई वैज्ञानिकों ने अपनी विकलांगता को कमजोरी नहीं बनने दी, उन्होंने नई खोज कर इतिहास रचा है। मनुष्य को कभी भी अपने आप को कमजोर नहीं समझना चाहिए और ना ही कभी हार माननी चाहिए। इस अनमोल जीवन को खुशी से आखिरी सांस तक हर परिस्थिति में मुस्कुराते हुए जीना है। सारी दुनिया की दौलत खर्च करने के बाद भी हम एक पल की जिंदगी भी खरीद नहीं सकते। अनमोल जीवन का मूल्य समझें। छोटीसी चींटी भी बार-बार असफल होने के बाद भी प्रयास नहीं छोड़ती है, हार नहीं मानती, फिर से प्रयास कर सफल होती हैं, तो फिर कोई व्यक्ति आत्महत्या जैसा अपराध क्यों करता है?

दुनिया में हमसे भी ज्यादा लोग संघर्ष करते है। गुस्से या आवेश में आकर जल्दबाजी में कभी कोई निर्णय न लें, खुशी या भावनाओं में बहकर कोई भी वादा न करें। कोई भी अनुचित निर्णय लेने से पहले उसके परिणाम, अपनों पर प्रभाव, भविष्य पर विचार करें। लोगों से ज्यादा उम्मीदें न लगाएं, झूठे दिखावे से बचें, अपनी मयार्दाओं को पहचानें। बच्चों को अच्छे-बुरे की समझ दें, बुजुर्गों और महिलाओं का आदर, कमजोरों की मदद, नशे से दूरी, संस्कार, न्याय और एकता की सीख बच्चों को बचपन से मिलनी चाहिए। हेल्दी हॉबी, परोपकारिता, व्यायाम, प्रकृति और पशुओं से प्रेम, समाज और देश के प्रति नैतिक जिम्मेदारी, अच्छे काम के लिए श्रमदान करने से हमें परिपक्वता, सुजान नागरिक और समाधानी बनने में मदद मिलती है। ऐसे दिनचर्या और जीवनशैली से हम हमेशा सुखद वातावरण का अहसास करते है, सकारात्मक विचारशक्ति बढ़ती है, तनाव मुक्त जीवन जीने का यह आसान तरीका है।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आपको काफी संघर्षों के बाद पर राहत मिलती दिख रही हैं। आप अपने आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए काफी प्रयास करेंगे, तो वह आपके लिए अच्छा रहेगा। संतान के मनमाने व्यवहार के कारण आपको कुछ समस्याएं आ सकती हैं। आप अपने पारिवारिक जिम्मेदारियां में बिल्कुल ढील ना दें। कार्यक्षेत्र में आप अपने कामों में कोई बदलाव करने की सोचेंगे, जो आपके लिए अच्छा रहेगा। आपको अपने किसी मित्र की कोई बात बुरी लग सकती है।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए बाकी दिनों की तुलना में अच्छा रहने वाला है। आप अपने मित्र के साथ कहीं घूमने फिरने में समय बिताएंगे, जिससे आपके मन में चल रही समस्याओं से काफी हद तक आपको राहत मिलेगी। आप अपने कामों को लेकर किसी छोटी दूरी की यात्रा पर जाने की प्लानिंग कर सकते हैं। किसी पुराने काम को लेकर आपको कोई टेंशन हो सकती हैं आपके बिजनेस में आपको अच्छा मिलने की संभावना है। आपको किसी छोटी गलती पर पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती हैं।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए तरक्की दिलाने वाला रहेगा। आपको कुछ लोगों से सावधान रहने की आवश्यकता है, नहीं तो वह आपको परेशान करने की कोशिश करेंगे। आपके किसी परीक्षा के परिणाम आने से आप खुश होंगे। जीवनसाथी का सहयोग आसानी से आपको भरपूर मात्रा में मिलता दिख रहा है। यदि आप अपने बिजनेस को लेकर कोई लोन आदि अप्लाई कर रहे थे, तो उसके भी मिलने में आपको आसानी होगी। आपको किसी शुभ व मांगलिक कार्यक्रम में सम्मिलित होने का मौका मिल सकता है। परिवार में किसी सदस्य को नई नौकरी की प्राप्ति हो सकती है।

कर्क- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपका कोई कानूनी मामला लंबे समय से विवादित चल रहा था, तो वह दूर हो सकता है। पारिवारिक जीवन में आपको सावधान रहने की आवश्यकता है। माता-पिता के सेहत पर आपको पूरा ध्यान देना होगा। आपको किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मुलाकात होगी। आप यदि एक साथ कई कामों में हाथ डालने की कोशिश करेंगे तो उसमें आपका काफी काम रुक सकते हैं। आपको अपने मन में चल रही उलझन को लेकर किसी सहयोगी से बातचीत करनी होगी।

सिंह- आज का दिन आपके लिए आर्थिक दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। आपको अपने खर्चों को लेकर पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है। आपको कुछ नए अवसर हाथ लगा सकते हैं। मामा पक्ष आज आपको धन लाभ मिलेगा। सामाजिक और राजनीतिक कामों में हाथ आजमा रहे लोगों को कोई बड़ी उपलब्धि हासिल हो सकती हैं। आपके किसी घर मकान आदि को बनवाने के लिए प्लानिंग कर सकते हैं। आप अपने किसी काम को पूरा करने के लिए अपने साथियों से बातचीत करेंगे। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को अभी कुछ समय बाद ही राहत मिलती दिख रही है।

कन्या- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आपके स्वास्थ्य में यदि कुछ गिरावट चल रही थी, तो वह आज दूर होगी। किसी सरकारी योजना में आपको भाग लेने का मौका मिलेगा। आपको कुछ मानसिक समस्याएं हो सकती हैं, जो आपके कॉन्फिडेंस को कमजोर बनाएंगी। विद्यार्थियों को अपने किसी परीक्षा के तैयारी को लेकर मेहनत भरपूर करनी होगी, तभी उन्हें कोई अच्छा मुकाम हासिल हो सकेगा। व्यवसाय कर रहे लोग किसी के साथ कोई डील फाइनल करें, तो उसे पूरी लिखापढी करके करें, नहीं तो उनके साथ कोई धोखा होने की संभावना है।

तुला- आज का दिन आपके लिए कला व कौशल में सुधार लेकर आएगा। आपको बिजनेस में अच्छा लाभ मिलने की संभावना है, लेकिन नौकरी में कार्यरत लोगों के कामों में वृद्धि होगी। आपके बॉस आपसे खुश रहेंगे। आपको किसी सरकारी योजना का पूरा लाभ मिलेगा। घूमने की आप कहीं योजना बना सकते हैं, जहां आपको अपने चीजों पर पूरा ध्यान देना होगा। आपको अपने पारिवारिक जिम्मेदारियां को भी कल पर टालने की कोशिश नहीं करनी है।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए सोच समझकर कामों रहने वाला है। वरिष्ठ सदस्यों का सहयोग और सानिध्य आपको भरपूर मात्रा में मिलेगा। यदि आप किसी परिवार के सदस्यों से कोई धन संबंधी मदद मागेंगे, तो वह आपको आसानी से मिल जाएगी, लेकिन भाई-बहनों में किसी बात को लेकर खटपट रहेगी। यदि ऐसा हो, तो आपको उसे मनाने की पूरी कोशिश करनी होगी। किसी सरकारी योजना में निवेश करना आपके लिए बेहतर रहेगा। आपके पिताजी का कोई पुराना रोग फिर से उभर सकता है। आपके परिवार में किसी सदस्य से आज कोई निराशाजनक सूचना सुनने को मिल सकती है।

धनु- आज का दिन आपके लिए आनंदमय रहने वाला है। आप अपने जीवनसाथी के साथ कुछ पारिवारिक मुद्दों को लेकर बातचीत कर सकते हैं। आप अपने घर की साफ सफाई कर रखरखाव पर पूरा ध्यान देंगे, लेकिन संतान के मनमानी व्यवहार के कारण आपको कुछ समस्याएं आ सकती हैं। विदेशों से व्यापार कर रहे लोगो को कोई नुकसान होने की संभावना है। आपकी कोई डील फाइनल तो होगी, लेकिन उसमें कुछ संशय रहेगा। नव विवाहित जातकों के जीवन में किसी नये मेहमान की दस्तक हो सकती है।

मकर- आज का दिन आपके लिए मान सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा और आपकी किसी धार्मिक कार्य में भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे। आप अपने धन को लेकर योजना बनाकर चले, तो बेहतर रहेगा। आपका कोई पुराना रोग फिर से उभरने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में आपके ऊपर कोई झूठा आरोप लगा सकता है। यदि ऐसा हुआ, तो आप उसमें अपनी बात लोगों के सामने अवश्य रखें। आपको किसी से कोई भी गुप्त जानकारी शेयर करने से बचना होगा। आपका मन किसी बात को लेकर परेशान रहेगा।

कुंभ- आज का दिन नौकरी में कार्यरत लोगों के लिए अच्छा रहने वाला है। आप अपनी बुद्धि और विवेक से काफी कुछ पा सकते हैं, लेकिन आप अपने कामों में कोई बदलाव न करें। परिवार में किसी सदस्य से आपकी बहसबाजी होने की संभावना है। कोई कानूनी मामला आपके लिए सिरदर्द बनेगा, जिसके लिए आपको बड़े से सदस्यों से राय लेने की आवश्यकता है। आप किसी काम को लेकर जल्दबाजी न दिखाएं नहीं तो बाद में आपको उसके लिए पछताना होगा। परिवार में किसी सदस्य के लिए आप कोई उपहार लेकर आ सकते हैं। आपके घर किसी छोटी-मोटी पार्टी का आयोजन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा।

सबसे खौफनाक हवाई अपहरण

रजनीश कपूर

जम्मू कश्मीर के पूर्व डीजीपी डॉ एस पी वैद के अनुसार, उस समय की सरकार के क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप ने निर्णय लेने में बहुत देर लगाई। यदि उस विमान को अमृतसर हवाई अड्डे से उडने. नहीं दिया जाता तो तस्वीर पूरी तरह बदल जाती। अमृतसर में तैनात स्थानीय अधिकारियों को भी बिना किसी औपचारिक आदेश के, राष्ट्र हित में यह निर्णय ले लेना चाहिए था कि किसी भी सूरत में विमान को उडने. नहीं दिया जाए।

बीते सप्ताह नेटफ्लिक्स पर सत्य घटनाओं पर आधारित एक वेब सीरिज रिलीज हुई जिसे लेकर काफी बवाल मचा। जैसे ही मामले ने तूल पकड़ी, नेटफ्लिक्स ने बिना किसी विलंब के स्पष्टिकरण भी दे दिया। परंतु जिस तरह सत्तापक्ष और विपक्ष एक दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं उस स्थिति पर तो मशहूर शायर शहाब जाफरी का ये शेर एक दम सही बैठता है, तू इधर उधर की न बात कर ये बता कि काफिला क्यूँ लुटा? मुझे रहजनों से गिला नहीं तेरी रहबरी का सवाल है। आज हम बात करेंगे देश के इतिहास में हुए सबसे खौफनाक हवाई अपहरण की। इस हाईजैक को लेकर बनी वेब सीरिज पर इन दिनों काफी बवाल मचा हुआ है। परंतु सवाल उठता है कि यदि ओटीटी प्लेटफार्म ने भूल को सुधार ही लिया है तो फिर बवाल किस बात का? बवाल या विवाद यदि होना ही है तो उस समय की परिस्थितियों को लेकर हो तो शायद सत्य जनता के सामने आए।

यदि चंद घंटों के लिए आपकी ट्रेन या फ्लाइट में देरी हो जाए तो आप किस कदर परेशान हो जाते हैं इसका अनुमान तो आसानी से लगाया जा सकता है। परंतु यदि आप अपने गंतव्य पर जा रहे हैं और अचानक से आपके विमान का हाईजैक कर लिया जाए तो आपकी क्या मनोस्थिति होगी इसका अंदाजा लगाना मुश्किल है। अपहरण जैसे हादसे न सिर्फ यात्रियों की बल्कि यात्रियों के परिवार और सरकार की भी परेशानी का सबब बन जाते हैं। क्योंकि न तो कोई सरकार या कोई भी यात्री इन परिस्थितियों के लिए तैयार रहता है। 1999 में हुए आईसी-814 का अपहरण, भारत के इतिहास में अब तक का सबसे लंबा चलने वाला अपहरण है।

इस अपहरण को लेकर उस समय की सरकार द्वारा लिए गएइ और न लिये गयेइ निर्णयों पर विवाद एक बार फिर से गरमा गया है। सत्तापक्ष का कहना है कि नेटफ्लिक्स पर दिखाए जाने वाली वेब सीरिज ने तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया है। यदि ऐसा है तो निमार्ताओं द्वारा ऐसा करना बिलकुल गलत है। वहीं इस विमान में मौजदू एक महिला यात्री का वीडियो भी सोशल मीडिया पर जारी हुआ है जिसने इस बात को खुल कर कहा है कि वेब सीरीज में दिखाए गए सभी घटनाक्रम सहीं हैं।

विवाद की बात करें तो सत्तापक्ष को इस बात पर एतराज था कि वेब सीरिज के निमार्ताओं ने पाकिस्तानी मूल के अपहरणकताओं के असली नाम नहीं बताए। उनके कोड नामों को ही प्रचारित किया गया है। चूँकि मैंने इस वेब सीरिज को पूरा देखा है इसलिए मैं और मेरे जैसे सभी दर्शक इस बात की पुष्टि कर सकते हैं कि भारत की खुफिया जाँच एजेंसियों के जिन अधिकारियों को इस वेब सीरिज में दिखाया गया है, उनमें से कई अधिकारियों ने इन आतंकी अपहरणकताओं के असली नाम भी लिये हैं। परंतु इस तथ्य को भी नहीं झुठलाया जा सकता है कि, हाईजैकिंग के दौरान आईसी-814 में सवार यात्रियों ने पूछताछ में बताया था कि हाईजैकर्स एक-दूसरे को बुलाने के लिए कोडनेम का इस्तेमाल कर रहे थे। ये कोडनेम, चीफ, डॉक्टर, बर्गर, भोला और शंकर थे। यह बात भी सही है कि इनके असली नाम इब्राहिम अतहर, शाहिद अख्तर सईद, शनि अहमद काजी, मिस्त्री जहूर इब्राहिम और शाकिर थे। इन नामों का खुलासा 6 जनवरी 2000 को केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान में किया गया।

जिस बात को लेकर इस वेब सीरिज पर बवाल हुआ है वह यह कि ऐसे आतंकियों को हिंदू कोडनेम से क्यों बुलाया गया है? गौरतलब है कि जिस किसी ने भी यह वेब सीरीज देखी है वह बड़ी आसानी से इस बात की पुष्टि कर सकता है कि किस तरह नेपाल में पाकिस्तानी उच्चायोग के अधिकारी इनका सहयोग कर रहे थे। विमान में यात्रा से पूर्व इन आतंकियों के पहनावे से भी यह बात स्पष्ट हो जाती है कि वे हिंदू नहीं थे।

शिल्पा ने धूमधाम से किया गणपति बप्पा का विसर्जन, जमकर थिरका परिवार

मुंबई, । बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने रविवार को धूमधाम से गणपति बप्पा का विसर्जन किया। इस दौरान उनका पूरा परिवार बैंड और गानों की धुन पर जमकर थिरका। शिल्पा शेट्टी ने अपने प्रशंसकों को गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं दी। उन्होंने भगवान से सबको सुख-समृद्धि और सफलता देने की कामना की। बॉलीवुड अभिनेत्री के घर हर साल गणेश चतुर्थी बहुत धूमधाम से मनाया जाता है। इस बार भी उनके यहां इस समारोह को लेकर खास तैयारी की गई थी। रविवार को गणपति विसर्जन के साथ धूमधाम से ये कार्यक्रम संपन्न हुआ। बैंजो ग्रुप और ढोल-नगाड़ों के साथ गणेश मूर्ति का विसर्जन किया गया। शिल्पा शेट्टी हिंदू संस्कृति के सभी त्योहार को धूमधाम से मनाती हैं। इस बार उन्होंने अपने घर पर डेढ़ दिन दिन के गणपति बप्पा की स्थापना की थी। आज बहुत ही भक्ति भाव के साथ उन्होंने भगवान को विदाई दी। बिल्डिंग कैंपस में ही बने आर्टिफिशियल तालाब में उन्होंने गणपति बप्पा का विसर्जन किया। शिल्पा के साथ उनके पति राज कुंद्रा, बहन शमिता शेट्टी और और बेटा विहान मौजूद रहे। भगवान गणेश की मूर्ति के विसर्जन के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए शिल्पा शेट्टी ने बताया कि हम सभी इस त्योहार को बहुत ही धूमधाम से मनाते हैं। एक्ट्रेस ने बैंड के धुन पर काफी डांस किया, उन्होंने गणपति बप्पा से फिर अगले साल आने का वादा लेकर उनका विसर्जन किया। बात करें तो शिल्पा शेट्टी के पर्सनल लाइफ की, तो इन्होंने नवंबर 2009 में बिजनेसमैन राज से शादी की थी। दंपति के दो बचे हैं - बेटा वियान और बेटी समीशा। शिल्पा ने आखिरी बार रोहित शेट्टी और सुशांत प्रकाश द्वारा निर्मित और निर्देशित इंडियन पुलिस फोर्स में तारा की भूमिका निभाई थी। इस सीरीज में सिद्धार्थ मल्होत्रा और विवेक ओबेरॉय मुख्य भूमिका में थे।

अनन्या पांडे ने बताया कि उन्होंने असल जिंदगी में आलू कैसे खाया

मुंबई । बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे ने फिल्म कॉल मी बे से जुड़ी एक तस्वीर साझा की। अनन्या ने बताया कि उन्होंने पहली बार अपने जीवन में आलू कब खाया था।

अनन्या ने अपनी भूमिका के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी और वड़ा पाव की फोटो भी शेयर की। उन्होंने दिलचस्प जानकारी देते हुए खुलासा किया कि उन्होंने वड़ा पाव खाते हुए सच में आलू भी खाया था। जबकि उनके को-स्टार गुरफतेह सिंह पिरज़ादा ने इसे खाने से मना कर दिया। कॉल मी बे सीरीज में अनन्या ने बेला का किरदार निभाया है। जिसका निक नेम रखा गया है बे। वेब सीरीज रिलीज कर दी गई है। दर्शकों को अनन्या का किरदार पसंद आ रहा है। अनन्या ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम के स्टोरी सेक्शन में वेब सीरीज को मिल रही प्रतिक्रिया के स्क्रीनशॉट्स शेयर किए।

अभिनेत्री ने अपनी सह-कलाकार मुस्कान जाफ़री के साथ एक तस्वीर शेयर की, जो उनकी सबसे अछी दोस्त सायरा की भूमिका निभा रही हैं। साथ में वड़ा पाव की एक तस्वीर भी शेयर की।

सीरीज कॉल मी बे बे की कहानी के इर्द-गिर्द घूमती है, इस लड़की की जिंदगी में अमीरी से गरीबी तक काफी उतार-चढ़ाव आते हैं। बाद में उसे एहसास होता है कि उसकी असली ताकत उसके हीरे नहीं, बल्कि उसकी समझदारी और स्टाइल है। आर्थिक तंगी के बावजूद, बे हार मानने को तैयार नहीं होती और मुंबई के न्यूजरूम में अपना रास्ता बनाती है। इस सफर में उसे नए साथी और खुद का बेहतर रूप मिलता है। आठ भागों वाली इस सीरीज में अनन्या मुख्य भूमिका में हैं, और इसमें वीर दास, गुरफतेह पीरजादा, वरुण सूद, विहान समत, मुस्कान जाफ़री, निहारिका लायरा दत्त, लिसा मिश्रा और मिनी माथुर जैसे कलाकार शामिल हैं। यह शो धर्माटिक एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित है, जिसके कार्यकारी निर्माता करण जौहर, अपूर्व मेहता और सोमेन मिश्रा हैं। इस सीरीज का निर्माण इशिता मोइत्रा ने किया है।

और इसका निर्देशन कॉलिन डी'कुन्हा ने किया है।

पूजा ने परिवार के साथ गणपति बप्पा का लिया आशीर्वाद

मुंबई, अपकमिंग फिल्म देवा की शूटिंग पूरी करने वाली अभिनेत्री पूजा हेगड़े ने अपने परिवार के साथ मुंबई के वडाला इलाके में गणपति जी के दर्शन किए। अभिनेत्री अपने भाई-भाभी और पिता के साथ शहर में गणेशोत्सव समारोह के दौरान भगवान गणेश से आशीर्वाद लेने पहुंचीं। अभिनेत्री हर साल गणपति जी के दर्शन के लिए जीएसबी सेवा मंडल पंडाल में जाती हैं।पत्रकारों के यह पूछने पर कि क्या वह दूसरी बार पंडाल में आई हैं। इसके जवाब में उन्होंने कहा कि वह हर साल जीएसबी सेवा मंडल पंडाल में गणपति जी के दर्शन करने आती हैं।गणपति जी के दर्शन करने पहुंची अभिनेत्री खूबसूरत नीले रंग की अनारकली सूट में नजर आईं। उन्होंने अपने लुक को घड़ी और झुमके से पूरा किया। इस साल की शुरुआत में पूजा मुंबई के बांद्रा इलाके में अपने नए घर में शिफ्ट हुईं। समुद्र के सामने स्थित इस घर की कीमत 45 करोड़ रुपये है और यह 4,000 वर्ग फीट में फैला हुआ है। में 'देवा' की शूटिंग पूरी की है, जिसमें वह शाहिद कपूर और पावेल गुलाटी के साथ हैं। शाहिद और पावेल दोनों ही फिल्म में पुलिसकर्मियों की भूमिका निभाते नजर आएंगे। प्रसिद्ध मलयालम फिल्म निर्माता रोशन एंड्रयूज के निर्देशन में बनी इस फिल्म का निर्माण सिद्धार्थ रॉय कपूर ने किया है।

गणपति आरती को लेकर सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल हुए ट्रोल

मुंबई,। सोशल मीडिया पर अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा और उनके पति जहीर इकबाल ने गणपति जी की आरती करते हुए एक वीडियो शेयर किया, जिसके बाद से उन्हें ट्रोल किया जा रहा है। सोनाक्षी ने इंस्टाग्राम पर भगवान गणेश की आरती करते हुए एक वीडियो पोस्ट किया। इस वीडियो में अभिनेत्री को नीले रंग की ड्रेस में देखा जा सकता है। वहीं, जहीर हल्के नीले और वाइट कॉम्बिनेशन में नजर आ रहे हैं।

उन्होंने कैप्शन में लिखा, जब कोई जोड़ा सच्चे मन से एक-दूसरे की मान्यताओं का सम्मान करता है, तो प्यार सम्मान के रूप में बढ़ता है, शादी के बाद हमारा पहला गणपति पूजन।

इस पोस्ट के बाद लोगों ने उन्हें धर्म को लेकर जमकर ट्रोल किया।

एक यूजर ने लिखा, क्या वह मस्जिद में जाकर प्रार्थना करेंगी वह केवल मूर्तियों की पूजा करना चाहती हैं, लेकिन अल्लाह की नहीं।एक ने कहा, यह कैसा मुसलमान हुआ। मैं आपसे पूरी तरह सहमत हू क्योंकि आप मुसलमान हैं, आपको केवल अल्लाह को मानना चहिए।

एक नाराज यूजर ने कहा, अरे जहीर भाई क्या कर रहे हो, ईमान का ख्याल है भी कि नहीं, या सब खत्म हो गया है। एक ने कहा, बस यही देखना रह गया था।

एक अन्य ने कहा, वह मुस्लिम है, उसके लिए शर्म की बात है।

एक ने सोनाक्षी से सवाल किया, देखते हैं, आप कितनी नमाज पढ़ती हैं। 23 जून को सोनाक्षी ने जहीर के साथ परिवार और करीबी दोस्त की मौजूदगी में शादी की थी। सोनाक्षी को पिछली बार रितेश देशमुख और साकिब सलीम के साथ ककुड़ा में देखा गया था। अब वह कुश सिन्हा निर्देशित निकिता रॉय एंड द बुक ऑफ डार्कनेस नामक फिल्म में नजर आएंगी। वह आगामी फिल्म में अर्जुन रामपाल, परेश रावल और सुहैल नय्यर जैसे नामों के साथ अभिनय करती नजर आएंगी।

फिल्म 'जिगरा' में एंक्टिग और सिंगिंग करना एक सपने के सच होने जैसा-वेदांग रैना

मुंबई, फिल्म 'जिगरा' के लिए 'फूलों का तारों' गीत गाने वाले अभिनेता वेदांग रैना ने कहा कि फिल्म में एक्टिंग और सिंगिंग करना एक सपने के सच होने जैसा है। वेदांग ने आईएएनएस को बताया, जिगरा के लिए 'फूलों का तारों का' गाना मेरे लिए एक खास अनुभव था। संगीत हमेशा से मेरे जीवन का एक बड़ा हिस्सा रहा है और जब निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर मेरी थोड़ी सी गायकी देखी तो उन्हें लगा कि यह इस फिल्म के लिए एकदम सही रहेगा। वासन बाला द्वारा निर्देशित जिगरा का टीजर रविवार सुबह रिलीज किया गया। फिल्म वेदांग और आलिया भट्ट द्वारा निभाए गए भाई-बहन के किरदार की कहानी है, जो बचपन में परेशानियों से गुजरते हैं। जोया अख्तर की द आर्चीज से अपने करियर की शुरुआत करने वाले अभिनेता के लिए आलिया के साथ काम करना और भाई-बहन के रिश्ते को निभाना खास रहा। उन्होंने कहा, मैं बेहद रोमांचित हूं कि मुझे इस खूबसूरत गाने को गाने का मौका मिला।

विविध

क्या आप इस डरावनी जगह 'आइलैंड ऑफडॉल्स' जाने का साहस रखते हैं?

दुनिया में बहुत सारे ऐसे लोग हैं जो डरावनी जगहों पर जाना पसंद करते हैं। ऐसी ही एक जगह मेक्सिको सिटी से कुछ दूरी पर है जिसे लोग भुतहा मानते हैं। यह जगह 'इस्ला डी लास मुनिकास' के रूप में मशहूर है जहां हर साल काफी संख्या में लोग रोमांच के लिए पहुंचते हैं।

नई दिल्ली । दुनिया में बहुत सारे ऐसे लोग हैं जो डरावनी जगहों पर जाना पसंद करते हैं। ऐसी ही एक जगह मेक्सिको सिटी से कुछ दूरी पर है जिसे लोग भुतहा मानते हैं। यह जगह 'इस्ला डी लास मुनिकास' के रूप में मशहूर है जहां हर साल काफी संख्या में लोग रोमांच के लिए पहुंचते हैं।

इस आइलैंड के पेड़ों पर लटकी हुई बहुत सारी कटी-फ्टी डॉल्स देखने को मिलती हैं। लोगों का कहना है कि कभी-कभी ये डॉल्स हिलती-डुलती भी हैं।

कुछ लोगों का दावा है कि उन्होंने इस जगह पर डरावनी चीजें होती देखी हैं। जबकि कुछ का कहना है कि यह केवल अफ्वाह है। लेकिन इस जगह पर आने वाले ज्यादातर लोग इस आइलैंड को मनहूस मानते हैं।

कहा जाता है कि कुछ समय पहले एक लड़की यहां पर डूब गई। बाद में एक व्यक्ति को वह मृत लड़की मिली। व्यक्ति को लड़की के साथ एक डॉल भी मिली। व्यक्ति ने उस डॉल को वहीं पेड़ पर टांग दिया। अफ्वाह यह भी है कि लड़की की आत्मा को मुक्त करने के लिए व्यक्ति ने पेडों पर कई डॉल्स टांग दिए। कुछ साल बाद वह आदमी भी उसी जगह मृत पाया गया जहां उसे पहली डॉल मिली थी।

2050 तक 10 अरब के आसपास पहुंच सकती है दुनिया की आबादी

पॉपुलेशन रेफरेंस ब्यूरो (पीआरबी) की ताजा रिपोर्ट में आकलन किया गया है कि साल 2050 में दुनिया की आबादी 9.9 अरब होगी जिसमें फिलहाल की करीब 7.4 आबादी में 33 प्रतिशत का इजाफा होगा।

न्यूयॉर्क । पॉपुलेशन रेफरेंस ब्यूरो (पीआरबी) की ताजा रिपोर्ट में आकलन किया गया है कि साल 2050 में दुनिया की आबादी 9.9 अरब होगी जिसमें फिलहाल की करीब 7.4 आबादी में 33 प्रतिशत का इजाफा होगा। पीआरबी की वैश्विक जनसंख्या डाटाशीट में किये गये 2050 के पूर्वानुमानों के अनुसार इसके बाद के सालों में आबादी का पूर्वानुमान लगाएं तो 2053 में दुनिया की जनसंख्या 10 अरब होगी और एशिया की आबादी में 90 करोड़ की वृद्धि के साथ यह 5.3 अरब पर पहुंच सकती है। पीआरबी के सीईओ और अध्यक्ष जेफ्री जॉर्डन के मुताबिक, दुनियाभर में प्रजनन दर में कमी आने के बावजूद हम संभावना व्यक्त करते हैं कि जनसंख्या में काफी बढ़ोतरी होगी और दुनिया की आबादी 10 अरब तक पहुंच जाएगी। उन्होंने कहा कि हालांकि महत्वपूर्ण क्षेत्रीय भेद बरकरार रहेंगे। उदाहरण के लिए यूरोप में बहुत कम जन्म दर के चलते जनसंख्या कम होगी वहीं अफ्रीका का आबादी दोगुनी हो सकती है। पीआरबी के पूर्वानुमानों के मुताबिक साल 2050 तक अफ्रीका की जनसंख्या ढाई अरब होगी।

दुनिया के सबसे पुराने जीवाश्म दे रहे 3.7 अरब साल पुराने जीवन के संकेत

वैज्ञानिकों ने दुनिया के सबसे पुराने जीवाश्म खोज निकाले हैं जो 3.7 अरब साल पुराने हैं और यह अब तक सबसे पुराने माने जाने वाले जीवाश्मों से भी 22 करोड़ साल पुराने हैं।

मेलबर्न। वैज्ञानिकों ने दुनिया के सबसे पुराने जीवाश्म खोज निकाले हैं जो 3.7 अरब साल पुराने हैं और यह अब तक सबसे पुराने माने जाने वाले जीवाश्मों से भी 22 करोड़ साल पुराने हैं। अरबों साल पुराने ये जीवाश्म हमारे ग्रह के बिल्कुल शुरूआती इतिहास से जुड़ी गुत्थियां सुलझा सकते हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ वोलनगोंग के प्रोफेसर एलेन नटमैन के नेतृत्व वाले एक दल ने दुनिया की सबसे पुरानी तलछट चट्टानों में 3.7 अरब साल पुराने स्ट्रॉमेटोलाइट जीवाश्म खोज निकाले हैं। ये जीवाश्म ग्रीनलैंड के बर्फीले क्षेत्र के किनारे स्थित इसुआ ग्रीनस्टोन क्षेत्र में पाए गए हैं।

इसुआ स्ट्रोमेटोलाइट जीवाश्म धरती पर जीवन की शुरूआती विविधता के प्रति व्यापक समझ उपलब्ध करवा सकते हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि इसका मंगल पर जीवन को लेकन हमारी समझ पर काफी असर हो सकता है। नटमन ने कहा कि ये जीवाश्म अब तक दुनिया के सबसे पुराने जीवाश्म कहलाने वाले और पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में पाए जाने वाले स्ट्रॉमेटोलाइट जीवाश्मों से भी 22 करोड़ साल पुराने हैं।

हालिया खोज ने जीवाश्मों के रिकॉर्ड को पृथ्वी के भूवैज्ञानिक रिकॉर्ड की शुरूआत तक पहुंचा दिया है।

400 करोड़ साल पहले मंगल पर थी रहने के लिए अनुकूल जलवायु

मंगल ग्रह के एक प्राचीन क्षेत्र में नदी तलहटी की खोज करने वाले वैज्ञानिकों का कहना है कि करीब 400 करोड़ साल पहले लाल ग्रह पर गर्म और नम जलवायु थी और जीवन के लिए अधिक अनुकूल पर्यावरण था।

लंदन। मंगल ग्रह के एक प्राचीन क्षेत्र में नदी तलहटी की खोज करने वाले वैज्ञानिकों का कहना है कि करीब 400 करोड़ साल पहले लाल ग्रह पर गर्म और नम जलवायु थी और जीवन के लिए अधिक अनुकूल पर्यावरण था। अध्ययन में अरबिया टेरा नाम के उत्तरी मैदानी इलाके में 17,000 किलोमीटर तक नदियों की तलहटी का पता चला जिससे मंगल पर एक समय पानी बहने के और सबूत मिले हैं। यूनीवर्सिटी कॉलेज लंदन के जोएल डेविस ने कहा, 'हमें अब इलाके में नदियों के होने के सबूत मिले हैं जो इस बात की पुष्टि करते हैं कि मंगल गर्म और नम था जिससे इस पर किसी ठंडे और शुष्क ग्रह की तुलना में रहने के लिए अधिक अनुकूल पर्यावरण था।'

ठंड के दिनों में रोज खाएं घर का बना घी, लाजवाब गुण....

'घी- स्मृति, मेधा, ऊर्जा, बलवीर्य, ओज, कफऔर वसावर्धक है। यह वात, पित्त, बुखार और विषैले पदार्थो का नाशक है।'-चरक संहिता

हृदयरोग विशेषज्ञों के साथ मोटापे और दिल के रोगियों का सबसे अधिक गुस्सा घी पर ही उतरता है। आयुर्वेद में घी को औषधि माना गया है। इस सबसे प्राचीन सात्विक आहार से सर्वदोषों का निवारण होता है। वात और पित्त को शांत करने में सर्वश्रेष्ठ है साथ ही कफ भी संतुलित होता है। इससे स्वस्थ वसा प्राप्त होती है, जो लिवर और रोग प्रतिरोधक प्रणाली को ठीक रखने के लिए जरूरी है। घर का बना हुआ घी बाजार के मिलावटी घी से कहीं बेहतर होता है।घी में उतने अवगुण नहीं हैं जितने गुण छिपे हुए हैं। यह सच है कि पॉलीअनसैचुरेटेड वसा को आग पर चढ़ाना अस्वास्थकर होता है, क्योंकि ऐसा करने से पैरॉक्साइड्स और अन्य फ्री रेडिकल्स निकलते हैं। इन पदार्थों की वजह से अनेक बीमारियां और समस्याएं पैदा होती हैं। इसका अर्थ यह भी है कि वनस्पतिजन्य सभी खाद्य तेलों स्वास्थ्य के लिए कमोबेश हानिकारक तो हैं ही।

➡ फायदेमंद है घी

घी का मामला थोड़ा जुदा है। वो इसलिए कि घी का स्मोकिंग पॉइंट दूसरी वसाओं की तुलना में बहुत अधिक है। यही वजह है कि पकाते समय आसानी से नहीं जलता। घी में स्थिर सेचुरेटेड बॉण्ड्स बहुत अधिक होते हैं जिससे फ्री रेडिकल्स निकलने की आशंका बहुत कम होती है। घी की छोटी फैटी एसिड की चेन को शरीर बहुत जल्दी पचा लेता है। अब तक आप बहुत उलझन में पड़ गए होंगे कि क्या वाकई घी इतना फायदेमंद है? अब तक तो सभी यही समझा रहे थे कि देशी घी ही रोगों की सबसे बड़ी जड़ है?

➡ कोलेस्ट्रॉल कम होता है

घी पर हुए शोध बताते हैं कि इससे रक्त और आंतों में मौजूद कोलेस्ट्रॉल कम होता है। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि घी से बाइलरी लिपिड का स्राव बढ़ जाता है।

घी नाड़ी प्रणाली एवं मस्तिष्क के लिए भी श्रेष्ठ औषधि माना गया है। इससे आंखों पर पड़ने वाला दबाव कम होता है, इसलिए ग्लूकोमा के मरीजों के लिए भी फायदेमंद है। हो सकता है इस जानकारी ने आपको आश्चर्य में डाल दिया हो। भैंस के दूध के मुकाबले गाय के दूध में वसा की मात्रा कम होती है इसलिए शुरू में निराश न हों। हमेशा इतना बनाएं कि वह जल्दी ही खत्म हो जाए। अगले हफ्ते पुन: यही प्रक्रिया दोहराई जा सकती है। गाय के दूध में सामान्य दूध की ही तरह ही प्रदूषण का असर हो सकता है, मसलन कीटनाशक और कृत्रिम खाद के अंश चारे पेट में जा सकते हैं।

जब हुआ था विलियम्स बहनों का टकराव, भूपति की जीत और सम्प्रास की विदाई

नई दिल्ली, । जहां हर सर्व एक कहानी बताता है और हर रिटर्न एक चुनौती पेश करता है। जब तेज गति से आती गेंद को फॉलो करने के लिए मशक्कत करते खिलाड़ी और रैकेट की हल्की सी झन्नाटेदार आवाज कोर्ट पर हलचल पैदा करते हैं, तब समझ लीजिए टेनिस का जादू आपका इंतजार कर रहा है। और 9 सितंबर का दिन इस खेल के बड़े टूर्नामेंट यूएस ओपन में एक संगम की तरह से है, जिस दिन तीन चैंपियन बने थे। जहां भारत ने भी आज से 25 साल पहले बड़ी उपलब्धि हासिल की थी।

भारत को यह उपलब्धि दिलाई थी महेश भूपति ने, जो भारत के पहले ग्रैंड स्लैम चैंपियन भी थे। जिन्होंने 1997 में जापान की रीका हिराकी के साथ फ्रेंच ओपन का खिताब जीता था। यह एक मिक्सड डबल्स खिताब था। अब तक भारत ने चार ग्रैंड स्लैम चैंपियन पैदा किए हैं जिसमें ओलंपिक पदक विजेता लिएंडर पेस, सानिया मिर्जा और रोहन बोपन्ना के अलावा महेश भूपति का नाम भी आता है। 1997 की जीत के दो साल बाद, 9 सितंबर 1999 को महेश भूपति ने जापान की ऐ सुगियामा के साथ मिलकर यूएस ओपन का मिक्स्ड डबल्स मुकाबला जीता था। यह मुकाबला डोनाल्ड जॉनसन (अमेरिका) और किम्बर्ली पो (जापान) की जोड़ी के खिलाफ था जिनको महेश भूपति और सुगियामा की जोड़ी ने 6-4, 6-4 से हरा दिया था। दूसरी वरीयता प्राप्त इस जोड़ी को यह मैच जीतने में एक घंटे 20 मिनट में लगे थे।

जीत के बाद भूपति ने कहा था, फ्रमेरी ताकत और सुगियामा के हुनर ने हमें यह खिताब दिलाया।फ्र

पीएम मोदी ने पैरालंपिक में भारत के अब तक के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को बताया विशेष और ऐतिहासिक

नई दिल्ली,। भारत के लिए पेरिस पैरालंपिक काफी ऐतिहासिक रहा। देश के पैरा-एथलीटों ने कुल 29 मेडल अपने नाम किए। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एथलीटों की सराहना की है।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पैरा-एथलीटों के खेल के प्रति समर्पण और अदम्य साहस की प्रशंसा की।

उन्होने लिखा, पैरा ओलंपिक 2024 विशेष और ऐतिहासिक रहा है। भारत बहुत खुश है कि हमारे अविश्वसनीय पैरा-एथलीटों ने 29 पदक जीते हैं, जो खेलों में भारत की शुरुआत के बाद से अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन है। यह उपलब्धि हमारे एथलीटों के अटूट समर्पण और अदम्य साहस के कारण है।

उनके खेल प्रदर्शन ने हमें याद करने के लिए कई पल दिए हैं और कई आने वाले एथलीटों को प्रेरित किया है। पेरिस 2024 पैरालंपिक खेलों का रविवार शाम को समापन हो गया। स्टेड डी फ्रांस में समापन समारोह का आयोजन हुआ। जिसमें लगभग 64,000 दर्शकों और 8,500 से अधिक एथलीटों संग उनके स्टाफ ने भाग लिया।

11 दिनों की प्रतियोगिता के बाद, भारतीय पैरा-एथलीटों ने पेरिस पैरालिंपिक में 7 स्वर्ण, 9 रजत और 13 कांस्य पदक जीते। पैरालंपिक में भारत का पहला पदक 1972 के खेलों में आया था, जिसमें मुरलीकांत पेटकर ने तैराकी में स्वर्ण पदक जीता था।

2024 खेलों से पहले, भारत ने 12 पैरालंपिक खेलों में 31 पदक जीते थे।

दक्षिण अफ्रीका स्रि5केट टीम के कोच ने जताई क्विंटन डिकॉक के टी20 अंतर्राष्ट्रीय भविष्य पर अनिश्चितता

जोहांसबर्ग, । दक्षिण अफ्रीका के मुख्य कोच रॉब वॉल्टर ने कहा है कि उन्हें विकेटकीपर-बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक के टी20 इंटरनेशनल भविष्य के बारे में कोई स्पष्टता नहीं है। उन्हें इस महीने अबू धाबी में आयरलैंड के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टी20 सीरीज के लिए नहीं चुना गया है।

डिकॉक पहले ही टेस्ट और वनडे क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। वह पिछले महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज से भी बाहर थे और आयरलैंड के खिलाफ भी नहीं खेलेंगे।वॉल्टर ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, सच कहूं तो मुझे नहीं पता। फिलहाल क्विंटन और मेरे बीच इस बात को लेकर कोई चर्चा नहीं हो रही है कि वह फिर से दक्षिण अफ्रीका के लिए खेलना चाहते हैं या नहीं। मैंने उनके लिए दरवाजा खुला रखा है, अगर वह चाहें तो मुझसे संपर्क कर सकते हैं, लेकिन हो सकता है कि ऐसा कभी न हो। डिकॉक ने 2021 में टेस्ट क्रिकेट से और पिछले साल वनडे वर्ल्ड कप के बाद वनडे से संन्यास लिया था। हालांकि, उन्होंने टी20 वर्ल्ड कप में खेलने का फैसला किया था, जो अमेरिका और वेस्टइंडीज में हुआ था। उस टूर्नामेंट में वह दक्षिण अफ्रीका के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे और उनकी टीम फाइनल तक पहुंची थी। उसके बाद डिकॉक ने मेजर लीग क्रिकेट और कैरेबियन प्रीमियर लीग में हिस्सा लिया और अब वह एसए20 और आईपीएल में भी खेलते रहेंगे।

लियोनल मेसी को आदर्श मानने वाली भारतीय जूडोका, जिसने पूरा किया मां का सपना

नई दिल्ली, । जूडो एक ऐसा खेल जिसमें आत्म-नियंत्रण, रणनीति और सहनशीलता का मेल होता है। जब जूडोका मैट पर उतरते हैं, तो हर दांव में उनकी वर्षों की कड़ी मेहनत, समर्पण और अनुशासन झलकता है। यह खेल सिर्फ फिजिकल ताकत का नहीं, बल्कि मानसिक दृढ़ता का भी प्रतीक है। जापान की धरती से जन्मा यह आधुनिक मार्शल आर्ट का रूप ओलंपिक खेलों का भी हिस्सा है। जहां पेरिस ओलंपिक में भारत की एकमात्र जूडोका थीं तूलिका मान, जिनका जन्म 9 सितंबर के दिन हुआ था। तूलिका का बचपन मुश्किल भी था और दिलचस्प भी। साल 1998 में दिल्ली में जन्मी तूलिका का पालन-पोषण केवल उनकी मां ने किया था। मां अमृता मान दिल्ली पुलिस में एक सब-इंस्पेक्टर हैं। जब वह ड्यूटी पर होती तो बचपन में तूलिका को घर पर अकेला रहना होता। यह तूलिका के लिए काफी बोरियत भरा था। तूलिका ने अपना मन लगाने के लिए किसी गतिविधि में भाग लेने के लिए मां से

बात की। यहीं से तूलिका ने जूडो क्लास में जाना शुरू कर दिया था। दिलचस्प बात यह है कि उनका आदर्श कोई जूडोका नहीं बल्कि फुटबॉल सुपरस्टार लियोनल मेसी थे।

मेसी की शांत रहने की क्षमता और मैच से पहले एक कोने में बैठकर खुद पर फोकस करने की आदत से तूलिका बहुत प्रभावित थीं। इन आदतों के अनुसरण ने उनको एक बेहतर जूडोका बनने में मदद की। चौथी क्लास से ही जूडो की प्रैक्टिस शुरू हो चुकी थी। भारत में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इस खेल को आगे ले जाने वाले खिलाड़ी कम ही थे। तूलिका की मेहनत और लगन धीरे-धीरे उनको इस खेल में आगे बढ़ा रही थी। उन्होंने जूनियर स्तर पर कई प्रतियोगिताओं में भाग लिया और मेडल भी जीतने शुरू किए।

नेशनल जूनियर लेवल पर सिल्वर मेडल जीतने वाली तूलिका के करियर की सही मायनों में शुरुआत हुई 2018 में, जब उन्होंने जयपुर में कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में जीत हासिल की थी। अगले ही साल उन्होंने फिर से कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप जीती और साउथ एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल भी अपने नाम किया। साल 2022 में बर्मिंघम में कॉमनवेल्थ गेम्स में सिल्वर मेडल जीतना उनके करियर का सबसे बड़ा टर्निंग प्वाइंट साबित हुआ। इसने उनके करियर को जबरदस्त बूस्ट दिया लेकिन वह उस मैच के बाद चोटिल भी हो गई थीं।

यह चोट तूलिका के लिए आसान नहीं थी। जूडो प्लेयर होने के नाते उनको हमेशा डर रहता था कि चोट उनसे इस खेल को छीन न ले। एक ऐसा खेल जो तब तक तूलिका के लिए जिंदगी बन चुका था।

बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज रोमांचक होगी - शुभमन गिल

नई दिल्ली, । भारत और बांग्लादेश के बीच 19 सितंबर से दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। इस बीच भारत के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज शुभमन गिल का मानना है कि आगामी टेस्ट सीरीज दिलचस्प और रोमांचक होने वाली है। भारत और बांग्लादेश के बीच पहला टेस्ट 19 सितंबर को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाएगा, जबकि दूसरा टेस्ट 27 सितंबर से कानपुर में खेला जाएगा।

गिल को चेन्नई मैच के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। इसके अलावा टीम में ऋषभ पंत, केएल राहुल और विराट कोहली की टेस्ट टीम में वापसी हुई है, जबकि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज यश दयाल को पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। गिल ने जियोसिनेमा से बात करते हुए कहा, मुझे नहीं लगता कि आप किसी अंतर्राष्ट्रीय टीम को कम आंक सकते हैं। बांग्लादेश ने पिछले कुछ महीनों में जिस तरह का क्रिकेट खेला है, वह शानदार है। खासकर पाकिस्तान के खिलाफ उनका प्रदर्शन दमदार था।

गिल ने अब तक 25 टेस्ट मैचों में 35.52 की औसत से 1492 रन बनाए हैं।

व्यापार

असम के सीएम ने शहरी नियोजन और विकास के लिए भारत-सिंगापुर साझेदारी की तारीफ की

नई दिल्ली, । असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने रविवार को भारत और सिंगापुर के बीच बढ़ती साझेदारी की तारीफ की। उन्होंने कहा कि यह साझेदारी असम में शहरों को बेहतर बनाने और उनका प्रबंधन करने में मदद करेगी। असम के सीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, भारत-सिंगापुर साझेदारी एक नए विकास की शुरुआत करती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हाल की सिंगापुर यात्रा के दौरान, सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने संयुक्त बयान जारी किया, जिसमें सिंगापुर कोऑपरेशन एंटरप्राइज (एससीई) और असम सरकार के बीच शहरी नियोजन (अर्बन प्लानिंग) और प्रबंधन के लिए हुए समझौते पर जोर दिया गया है। उन्होंने कहा, इस एमओयू (समझौता ज्ञापन) के माध्यम से, गुवाहाटी के शहरी विकास में सिंगापुर के अनुभव और विशेषज्ञता का लाभ मिलेगा, जिससे शहर का बेहतर नियोजन और प्रबंधन संभव होगा। यह वास्तव में भविष्य की साझेदारी है। बता दें कि पीएम मोदी ने सिंगापुर के प्रधानमंत्री के निमंत्रण पर 4-5 सितंबर में कई समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। दोनों नेताओं ने असम सरकार और सिंगापुर-भारत भागीदारी कार्यालय तथा एमओएच होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड के बीच नर्सिंग टैलेंट स्किल्स कॉरपोरेशन पर प्रस्तावित समझौता ज्ञापन के महत्व पर प्रकाश डाला तथा इसे शीघ्र पूरा करने का आग्रह किया। नेताओं ने गुवाहाटी में शहरी नियोजन और प्रबंधन को बढ़ाने के लिए एससीई और असम सरकार के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाने का भी स्वागत किया। दोनों प्रधानमंत्रियों ने सिंगापुर के निवेशकों के लिए भारत में मौजूद विशाल निवेश अवसरों पर जोर दिया और एससीई और विभिन्न भारतीय राज्यों के बीच स्मार्ट सिटी परियोजनाओं और शहरी बुनियादी ढांचे पर चल रहे सहयोग को स्वीकार किया, जिसमें आवास पहल भी शामिल हैं।

भारत बनेगा दुनिया का सेमीकंडक्टर हब, निवेश से लगने जा रहे 6 मैन्युफैक्चरिंग प्लांट

नई दिल्ली, । केंद्र सरकार की कोशिश भारत को दुनिया का सेमीकंडक्टर हब बनाना है। भविष्य में सेमीकंडक्टर की बढ़ती हुई भूमिका को देखते हुए वैश्विक और घरेलू कंपनियों द्वारा बड़े स्तर पर इस सेक्टर में निवेश किया जा रहा है। केंद्र और राज्य सरकारों की ओर से देश में अब तक 6 सेमीकंडक्टर प्लांट्स को मंजूरी दी जा चुकी है। इन छह सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग प्लांट्स में अलग-अलग कंपनियों द्वारा करीब 2.36 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है।

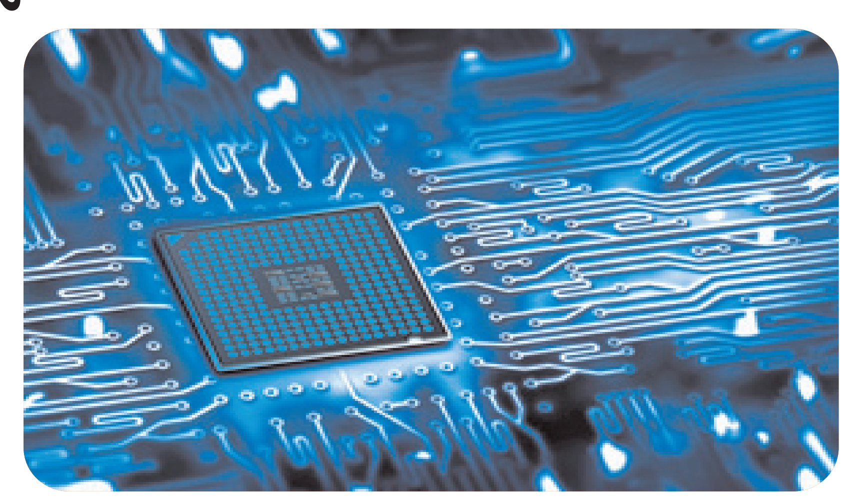

अदाणी ग्रुप और टावर सेमीकंडक्टर प्लांट = भारत के अदाणी ग्रुप और इजराइल की कंपनी टावर सेमीकंडक्टर की ओर से महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के पनवेल में स्थापित किए जा रहे सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग प्रोजेक्ट को हाल ही में महाराष्ट्र सरकार की ओर से अनुमति मिली है। इस प्रोजेक्ट में कुल दो चरणों के तहत 83,947 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। प्रोजेक्ट का पहला चरण पूरा होने पर इसकी उत्पादन क्षमता 40,000 वेफर्स प्रति महीने की होगी। वहीं, दूसरा चरण पूरा होने के बाद इसकी क्षमता 80,000 वेफर्स प्रति महीने की हो जाएगी।

माइक्रोन ओएसएटी प्लांट अमेरिका की चिप बनाने वाली कंपनी माइक्रोन की ओर से गुजरात के साणंद जिले में करीब 23,000 करोड़ रुपये के निवेश से आउटसोर्सिंग असेंबली और टेस्टिंग यूनिट (ओएसएटी) प्लांट बनाया जा रहा है। यह भारत में स्थापित होने वाला पहला सेमीकंडक्टर प्लांट है। इस प्लांट में डीआरएएम और एनएएनडी उत्पादों की असेंबली और टेस्टिंग की जाएगी। इसमें बनी चिप की आपूर्ति घरेलू से साथ-साथ वैश्विक बाजारों में भी की जाएगी। यह प्लांट अगले साल के मध्य तक शुरू हो सकता है। इसके लिए केंद्र सरकार 50 प्रतिशत और गुजरात सरकार 20 प्रतिशत वित्तीय सहायता उपलब्ध करा रही है।

सेमीकंडक्टर प्लांट = भारत का टाटा ग्रुप, ताइवानी कंपनी पावरचिप सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कॉरपोरेशन (पीएसएमसी) के साथ मिलकर गुजरात के धोलेरा में सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन फैसिलिटी (फैब) का निर्माण कर रहा है। इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मार्च 2024 में किया था। इस प्लांट में 91,000 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। इसमें होने वाले पूंजीगत खर्च में 50 प्रतिशत योगदान केंद्र सरकार देगी। इस प्लांट की उत्पादन क्षमता 50,000 वेफर्स प्रति महीने की होगी। धोरेला प्लांट से सेमीकंडक्टर का उत्पादन दिसंबर 2026 तक शुरू हो सकता है।

अदाणी ग्रीन एनर्जी ने 750 मिलियन डॉलर के होल्डको नोट्स को पूरा भुनाया

अहमदाबाद, । अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) की ओर से सोमवार को कहा गया है कि कंपनी ने सभी बकाया 750 मिलियन डॉलर या 4.375 प्रतिशत के होल्डको नोट्स को पूरी तरह से रिडीम कर लिया है।

अदाणी ग्रुप की कंपनी की ओर से जनवरी 224 में रिडेम्पशन रिजर्व खाते के माध्यम से होल्डको नोट्स को पूरी तरह से बैकस्टॉप करने की घोषणा की गई थी। यह दिशानिर्देशों के अनुपालन के लिए मैच्योरिटी पर होल्डको नोट्स को भुनाने की तारीख से आठ महीने पहले किया जाता है।

कंपनी की ओर से बयान में कहा गया कि तीन वर्ष के होल्डको नोट्स सितंबर 2021 में जारी हुए थे। इसके माध्यम से कंपनी की उच्च वृद्धि दर को समर्थन मिला है।

दो साल में मंगल ग्रह पर पहला स्टारशिप मिशन लॉन्च करने का लक्ष्य-मस्क

सैन फ्रांसिस्को, । टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने रविवार को कहा कि मंगल ग्रह पर पहला अनक्रूड स्टारशिप मिशन दो साल में लॉन्च किया जाएगा। स्टारशिप दुनिया का सबसे शक्तिशाली रॉकेट है। इसका उपयोग इंसानों को चंद्रमा और फिर अंत में मंगल ग्रह पर भेजने के लिए किया जाएगा।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म %एक्स% पर एक पोस्ट में टेक अरबपति ने कहा, मंगल ग्रह पर पहला स्टारशिप दो साल में लॉन्च होगा। मंगल ग्रह पर लैंडिंग की विश्वसनीयता का परीक्षण करने के लिए इन्हें शामिल किया जाएगा। अगर लैंडिंग अच्छी रही, तो मंगल ग्रह पर पहले क्रू की उड़ान उड़ान चार साल में होगी।

उन्होंने आगे कहा, लगभग 20 वर्षों में एक शहर बनाने का लक्ष्य है, जो खुद की जरूरतों को पूरा करने में सक्षम होगा। आने वाले वर्षों में किसी ना किसी ग्रह पर मानव जीवन को शुरू करने की तैयारी भी होगी।

मस्क की एयरोस्पेस कंपनी स्पेसएक्स ने पहली पूरी तरह से रियूज होने वाली रॉकेट का निर्माण किया है। इससे स्पेश मिशन पर आने वाले खर्चों में काफी कमी आएगी।

मस्क ने आगे बताया, मंगल ग्रह पर चुनौतीपूर्ण माहौल है। मानव के लिए स्थितियां उचित नहीं है। इसके बावजूद हम आने वाले सालों में ऐसा करने में सक्षम हो सकते हैं, इसके लिए हमें मौजूदा तकनीक को 10 हजार गुना बेहतर करने की जरूरत होगी।

स्पेसएक्स ने हाल ही में हेवी बूस्टर के साथ अपने 400 फुट ऊंचे स्टारशिप की तीसरी परीक्षण उड़ान शुरू की है। स्टारशिप में एक विशाल बूस्टर होता है, जिसे सुपर हेवी कहा जाता है। इसमें ऊपरी हिस्से में एक अंतरिक्ष यान भी है, जिसे स्टारशिप कहा जाता है।

स्पेसएक्स के सीईओ कम से कम दस लाख लोगों को मंगल ग्रह पर भेजने की योजना बना रहे हैं।

भारत का कपड़ा उद्योग तेज वृद्धि के लिए तैयार, केंद्रीय कपड़ा मंत्री

नई दिल्ली, । भारत के कपड़ा उद्योग में आने वाले वर्षों में तेज वृद्धि दर देखने को मिल सकती है और इस उद्योग का आकार बढ़कर 2030 तक 350 अरब डॉलर का हो सकता है। इस दौरान करीब 3.5 करोड़ रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने नई दिल्ली में एक इवेंट के दौरान कहा कि भारत के कपड़ा उद्योग का आकार 2030 तक बढ़कर 350 अरब डॉलर का हो सकता है और इस दौरान करीब 3.5 करोड़ अतिरिक्त रोजगार के अवसर पैदा होंगे। मंत्री ने आगे कहा कि केंद्र सरकार द्वारा कपड़ा उद्योग की प्रगति के लिए लाई गई प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम से परिधान उद्योग का प्रोडक्शन बढ़ेगा और उद्योग अपनी ब्रांडिंग करने में सक्षम हो पाएंगे। साथ ही पीएलआई स्कीम की मदद से कपड़ा उद्योग में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को आकर्षित करने में मदद मिलेगी। केंद्रीय कपड़ा मंत्री के मुताबिक, भारत अपने डेमोग्राफिक डिविडेंड के कारण आने वाले वर्षों में कपड़ा उद्योग की वृद्धि दर के मामले में चीन को आसानी से पीछे छोड़ सकता है। भारतीय वस्त्र उद्योग परिसंघ (सीआईटीआई) की ओर से पिछले महीने जारी किए गए डेटा के मुताबिक, भारत के परिधान निर्यात में जुलाई में 11.85 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। जुलाई में परिधान का निर्यात बढ़कर 1,277.20 मिलियन डॉलर हो गया, जो कि पिछले वर्ष समान अवधि में 1,141 मिलियन डॉलर था। वहीं, कपड़ों का निर्यात 1,660.36 मिलियन डॉलर हो गया है, जो कि जुलाई में 1,663.06 मिलियन डॉलर था। कपड़ा और परिधान क्षेत्र का कुल निर्यात जुलाई 2024 में 2,937.56 मिलियन डॉलर रहा, जो कि जुलाई 2023 में 2,805.01 मिलियन डॉलर था।

स्वामी ,मुद्रक ,प्रकाशक ,संपादक -ब्रजेश शुक्ला c/o के. के. शर्मा पत्रकार कॉलोनी, रिंग रोड नं.2 कस्तूरबा नगर बिलासपुर (छत्तीसगढ़) से प्रकाशित एवं दैनंदिनी प्रिन्टर्स 317/4 सरोना रायपुर से मुद्रित । फोन-0771-4059450, ईमेल-dainandini@yahoo.in, mail2dainandini@gmail.com

सफलता की कहानी

मनरेगा से बिरसिया के सपने संवरने लगे, कुंआ बनने से सिंचाई की समस्या हुई दूर

बिलासपुर। जिले के कोटा ब्लॉक के आदिवासी क्षेत्र ग्राम पंचायत चुरेली में मनरेगा से बने कुएं ने एक गरीब किसान परिवार की जिंदगी सवार दी है। हितग्राही श्रीमती बिरसिया के सपने अब साकार होने लगे। उन्होंने कहा कि खेती-किसानी के समय धानों को पर्याप्त मात्रा में पानी मिलने से सभी खेतों में फसल की पैदावार की जा रही है। जिससे खेती कार्यो से अच्छा मुनाफा मिल रहा है और उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हो रहा है। सरकार द्वारा मनरेगा योजना से दी जा रही सहायता उनके और परिवार के लिए काफी मददगार साबित हुई है। श्रीमती बिरसिया ने बताया कि उनके पास लगभग 2.5 एकड़ की उपजाउ भूमि है, लेकिन पानी एवं सिंचाई की पर्याप्त उपलब्धता न होने के कारण 1 से 1.15 एकड़ भूमि में ही फसल उगा पाते थे। उन्हें बहुत चिंता होती थी कि उनके आधे खेतों में फसल नहीं लग पाती थी। उन्होंने बताया कि ग्राम रोजगार सहायक के माध्यम से उन्हें कुंआ निर्माण करा लेने का सुझाव मिला जिससे उन्हे हर मौसम में पानी की समस्या का समाधान मिल सकता था। बिरसिया बाई ने देर न करते हुये सुझाव को समझा और कुंआ निर्माण हेतु आवेदन कर दिया। पंचायत प्रस्ताव के माध्यम से मनरेगा योजना से कुंआ स्वीकृत हो गया। 387 मानव दिवस कार्य से कुंआ खुदाई का कार्य पूर्ण हुआ। कुंआ बनने के कुछ समय बाद ही कुंआ में जल भराव होना प्रारंभ हो गया। कुंआ निर्माण से बारह महीने पानी की समस्या का समाधान हो गया जहां 1 से 1.5 एकड़ में ही फसल ले पाने थे। अब पूरे 2 एकड़ में फसल ले पाते है और दो फसल भी लगाते है। अब उन्हें बारिश पर निर्भर नहीं होना पड़ता। इस कुंआ से आसपास के लगभग 8 से 10 परिवार पीने का पानी के लिये भी कुंआ का उपयोग करते है। कुंआ के पानी से घर में ही अपनी बाड़ी बनाई है। जिससे घर परिवार के लिय सब्जियां मिल जाती है। और फसल की पैदावार बढ़ने से आमदनी में भी बढ़ोत्तरी हुई है। घर की आर्थिक स्थिति में भी सुधार आया है। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा प्रदान की जा रही मनरेगा योजना के लाभ से मेरे परिवार के जीवन के सुधार आ सका। मैं जब भी कुंए में भरे पानी को देखती हूं तो मुझे खुशी होती है कि मेरी खाली पड़ी भूमि में इसकी वजह से फसल लहलहा रही है।

साप्ताहिक जनदर्शन में कलेक्टर ने सुनी लोगों की समस्याएं

बिलासपुर। कलेक्टर अवनीश शरण ने आज साप्ताहिक जनदर्शन में बड़े इत्मीनान से दूर-दूराज से आए लोगों की समस्याएं सुनी। कुछ मामलों का मौके पर ही निराकरण किया, वहीं कुछ आवेदनों को टीएल में लेते हुए संबंधित अधिकारियों को जल्द निराकरण के निर्देश दिए। आज मांग और शिकायत से संबंधित 66 आवेदन जनदर्शन में मिले। साप्ताहिक जनदर्शन में मस्तूरी ब्लॉक के ग्राम पंचायत जोंधरा की सरपंच श्रीमती माधुरी रात्रे सहित अन्य ग्रामीणों ने ग्राम जोंधरा तक खूंटाघाट का पानी छोड़ने की गुहार लगाई। ग्राम पेन्ड्रीडीह निवासी कुमारी रजनी घृतलहरे ने पोस्ट मैट्रिक कन्या छात्रावास में आवाशीय सुविधा दिलाने की गुहार लगाई है। बेलतरा तहसील के ग्राम पथरापाली निवासी कुमारी सीमा कंवर ने अपने पूर्वजों के समय से शासकीय खेती किसानी की जमीन से बेजा कब्जा हटाने की गुहार लगाई है।

पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह ने लगाई चेतना की चौपाल

बिलासपुर। सामुदायिक पुलिसिंग के रूप में इन दोनों बिलासपुर में बहुउद्देशीय अभियान चेतना के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के जन जागरूकता अभियान लगातार आयोजित किया जा रहे हैं इसी क्रम में बंधवा पारा सरकंडा में आज स्वयं पुलिस अधीक्षक श्री रजनेश सिंह ने चेतन की चौपाल लगाई। इस कार्यक्रम के अंतर्गत उन्होंने कहा चेतना का आशय लोगों में बहुउद्देशीय जागरूकता उत्पन्न करना है इसके अंतर्गत हमने यातायात साइबर फ्रॉड तथा वर्तमान में महिला एवं बच्चों पर घटित अपराध के संबंध में प्रचार प्रसार एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं भविष्य में समाज की सबसे बड़ी बुराई नशा पर यह कार्यक्रम करने जा रहे हैं द्य इसके साथ ही संगठित अपराध पर भी जोर-जोर से कार्य किए जाएंगे एवं लोगों को जागरूक किया जाएगाद्य इससे पूर्व कार्यक्रम में एडिशनल एसपी सुश्री गरिमा द्विवेदी ने उपस्थित महिलाओं को बताया की हम पर कुदृष्टि डालने अपराधी से डरना नहीं डटकर मुकाबला करना है और इस हेतु पुलिस हमेशा आपके साथ है द्यइसी क्रम में एडिशनल एसपी यातायात श्री नीरज चंद्राकर ने कहा की चेतना को बहनों का बहुत अधिक साथ मिला है बहनों ने चेतना के प्रत्येक चरणों में अपनी सक्रिय भूमिका निभाई है ।द्य ज्ञात हो कि बंधवा पारा सरकंडा की श्रीमती रनिया केवट ने चेतना से प्रेरित हो अपने पति हरेंद्र केवट की शराब हमेशा के लिए छुड़ाई । पुलिस अधीक्षक रजनीश सिंह ने मंच में श्रीमती रनिया केवट का सम्मान किया ।कार्यक्रम के दौरान यातायात के सब इंस्पेक्टर उमाशंकर पांडे ने उपस्थित विद्यार्थियों से यातायात संबंधी प्रश्न किया तथा सही उत्तर बताने वाले छात्र-छात्राओं को यूथ फॉर नेशन की फाउंडर एवं समाजसेविका प्रतिज्ञा सिंह ने पुरुस्कार भी दिया। कार्यक्रम में शहर एडिशनल एसपी श्री उमेश कश्यप अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती अर्चना झा के अलावा सरकंडा थाना प्रभारी तोप सिंह, ना रंगे एवं उषा भांगे बिंदु , कुशवाहा आर्यन तिवारी, नंदू सोनी, मुकेश दुबे, पार्षद श्याम साहू , दीपा शर्मा, सावित्री यादव, सरस्वती साहू जैसे समिति के सदस्य शामिल थे.

अवैध रूप से निर्मित दुकान, हॉल, आफिस, चबुतरा, स्वागत द्वार एवं बाउण्ड्रीवाल को बेदखल किया

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र के मदर टेरेसा नगर कार्यालय के बगल में कर्बला मैदान परिसर जी. ई रोड वार्ड 30 में अवैध निर्माण पर कार्यवाही की गई। गौरतलब है कि कर्बला मैदान वार्ड 30 पर धार्मिक उपयोग के अतिरिक्त गैर धार्मिक उपयोग करने के लिए अवैध रूप से अतिक्रमण करके दुकानो का निर्माण कर लिया गया था। जिसे नगर निगम भिलाई की टीम द्वारा सुबह 5 बजे बेजा कब्जा पर कार्यवाही करते हुए तोड़ने की कार्यवाही की गई।

नगर निगम भिलाई द्वारा उक्त अतिक्रमण को हटाने के लिए दिनांक 04.09.2024 एवं 05.09.2024 को सूचना पत्र जारी किया गया था। कि धार्मिक उपयोग के अतिरिक्त गैर धार्मिक कार्य हेतु जो निर्माण कर लिया गया है, उसे खाली कर दिया जावे। संबंधितो द्वारा स्वयं किसी भी प्रकार की कार्यवाही नही की गई। उक्त कार्यवाही के लिए उच्च न्यायालय बिलासपुर में याचिका लगाई गई थी, जिसके परिपेक्ष में माननीय न्यायालय द्वारा समय अवधि के अंदर कार्यवाही करके रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए नगर निगम भिलाई को निर्देशित किये थे। बेदखली की कार्यवाही शासन के प्राप्त निर्देशानुसार ही की गई है। यह देखते हुए नगर निगम भिलाई द्वारा जिला दण्डाधिकारी दुर्ग, अतिरिक्त दण्डाधिकारी, अतिरिक्त पुलीस अधीक्षक सेक्टर 06, नगर पुलिस अधीक्षक छावनी, उपपुलिस अधीक्षक यातायात विभाग भिलाई, प्रभारी अधिकारी रक्षित पुलिस लाईन दुर्ग एवं थाना प्रभारी छावनी के सहयोग से पर्याप्त मात्रा में पुलिस बल एवं महिला बल के उपस्थिति में कार्यवाही की गई। नगर निगम भिलाई के अपर आयुक्त, जोन आयुक्त, राजस्व अधिकारी, जोन के स्वास्थ्य अधिकारी एवं तोड़फोड़ दल की उपस्थिति में विशेष कार्यवाही की गई।

सफाई कार्य में छोटी छोटी सहयोग से नगर निगम भिलाई चरौदा को सफाई कार्य रैंकिंग में ऊपर ला सकते है-आयुक्त डी एस राजपूत

भिलाई नगर । नगर पालिक निगम भिलाई-चरौदा सफाई विभाग द्वारा क्षेत्र में दैनिक रूप से शहरी और ग्रामीण दोनो ही क्षेत्रों में सफाई कार्य किया जाता है। जिसमें रोड पर झाड़ू लगाकर फैले कचरे को समेटने के साथ मृत पडे पशु के शव का निस्तारण सहित नालियों की सफाई भी शामिल है। गौरतलब है कि सीमित संसाधनों के साथ हथखोज से लेकर मोरिद तथा डबरापारा से लेकर हनुमान मंदिर चरोदा तक के विस्तृत क्षेत्र में प्रतिदिन सफाई का कार्य निगम की टीम द्वारा किया जाता है। सभी 40 वार्डो में सफाई मित्रों, स्वच्छता दीदी और सफाई कामगारों की अलग अलग टीम काम को पूरा करती है। वही यहां यह भी ज्ञात हो कि शहरी क्षेत्र में प्रमुख स्थानों पर एवं राष्ट्रीय राजमार्ग के साथ बाजार एरिया में सुबह के साथ शाम के समय भी कचरा उठाने का कार्य निगम का अमला पूरा कर रहा है।

यहां इस बात का उल्लेख भी किया जाना आवश्यक है कि जन सहयोग के बिना किसी भी नगर या शहर को स्वच्छ शहर का तमगा प्राप्त नहीं हो सकता।निगम प्रशासन की ओर से भिलाई-चरौदा क्षेत्र में रहने वाले समस्त नागरिकों से अपील करते हुए कहा गया कि कुछ छोटी-छोटी चीजों पर सहयोग करते हुए सफाई में हम अपने शहर की रैंकिंग को उपर कर सकते है। व्यापारी वर्ग दुकानदार-सब्जी एवं फल विक्रेता दैनिक निकलने वाले कचरे को रोड पर ना डाले बल्कि उसे निगम की गाडी को दे, मांस मछली मुर्गा बेचने वाले दुकानदार विक्रय पश्चात शेष अनुपयोगी पदार्थ को सड़क पर ना फेकें इससे कई प्रकार के संक्रमण का खतरा भी बढ़ता है। साथ ही दुर्गंध से लोगों को परेशानी होती है। इसके अलावा अपने पालतू जानवर सड़क पर ना छोडे क्योंकि घुमंतु पशुओं से जहां दुर्घटना होने की स्थिति बनती है वही आवागमन भी प्रभावित होता है। इस तरह कुछ एहतियात बरतने पर नागरिकों के सहयोग से स्वच्छता सर्वेक्षण में शहर को गिनती सुंदर और साफ शहरों में शामिल हो सकती है।

भिलाई चरौदा नगर निगम में कलेक्टर के निर्देश पर समय सीमा की बैठक में प्राप्त निर्देशनुसार विभागीय कार्यों की समीक्षा आयुक्त ने किया

भिलाई-03। दुर्ग कलेक्टर सुश्री रिचा प्रकाश चौधरी से समय सीमा की बैठक में प्राप्त दिशा निर्देशों के उपरांत भिलाई-चरौदा निगम के विभागीय कामकाज को लेकर सोमवार को बैठक आयोजित किया गया। महत्वपूर्ण बिंदुओं पर निगम कमिश्नर डी एस राजपूत द्वारा समीक्षा करते हुए उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश प्रदान किये। यहां उल्लेखनीय है कि सर्वप्रथम राजस्व की अपेक्षाकृत वसूली नही होने पर कड़ी नाराजगी जाहिर करते हुए श्री राजपूत द्वारा विभाग प्रभारी अधिकारी को चेताया। साथ ही इस संबंध में वार्डो में शिविर लगाकर संपत्ति कर, समेकित कर सहित अन्य करो की शीघ्रता पूर्वक वसूली करने निर्देशित किया। यहां विशेषतौर पर औधोगिक क्षेत्रों में समेकित कर वसूल करने भी अवगत कराया। राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन योजना में व्यक्तिगत ऋण, समूह ऋण सहित आवर्ती निधि के साथ पीएम स्वनिधि के टारगेट को शीघ्र पूर्ण करने प्रबंधक राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन को निर्देश प्राप्त हुए। स्वच्छता ही सेवा और स्वच्छ सर्वेक्षण अंतर्गत सार्वजनिक स्थानों पर जहां समूह में लोगों की मौजूदगी रहती है ऐसी जगहों पर शपथ आयोजित कर जन मानस में इस भावना का प्रचार किया जाये। कि स्वच्छता का वातावरण बनाना हम सभी की जिम्मेदारी है।

श्री राजपूत द्वारा वृक्षारोपण की जानकारी प्राप्त करने के साथ श्रमदान कर सफाई में सहयोग करने वालो को आगामी 2 अक्टूबर को पुरस्कृत करने की बात कही और समाज प्रमुख गणमान्य नागरिकों सहित जनप्रतिनिधियों को भी ऐसे कार्यक्रम में आमंत्रित करने अधिकारियों को समझाइश दी। बैठक के अंत में निगम आयुक्त द्वारा स्थापना शाखा प्रभारी को अनुकंपा नियुक्ति से संबंधित सभी मामलों पर नियमानुसार कार्यवही पूर्ण करने निर्देश प्रदान किये गये । आज की बैठक में सहायक अभियंता देवेन्द्र पाण्डेय, सहायक अभियंता हेमंत साहू, उप अभियंता विक्टर वर्मा, उप अभियंता किसलय साहू, स्थापना प्रभारी श्रीमती तारणी वर्मा, संपदा प्रभारी राजू वर्मा, राजस्व प्रभारी श्रीमती अरुणिमा दुबे ये सभी जानकारी सहित मौजूद रहे।

चौकीदार राजस्व अधिकारी बनकर अवैध वसूली कर रहा था, आयुक्त ने किया निलंबित

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई में धर्मरक्षक पाठक चैकीदार के विरूद्व शिकायत प्राप्त हुई थी कि उसके द्वारा राजस्व अधिकारी बनकर नगर निगम भिलाई क्षेत्र के निर्माणाधीन मकानो पर जाकर उनके मालिक से जबदन पैसा वसूलने का कार्य किया जा रहा था। इसी तारतम्य में सिद्वार्थ चक्रवर्ती स्मृति नगर द्वारा अपने रजिस्टर्ड भूखण्ड पर नियमानुसार मकान निर्माण किया जा रहा था। धर्मरक्षक पाठक राजस्व अधिकारी बनकर सिद्धार्थ चक्रवर्ती को धमकाए कि उसके प्रति शिकायत प्राप्त हुई है। 5 हजारू रूपये मामले को रफा-दफा करने के लिए दो नहीं तो हम बेदखली की कार्यवाही कर घर को तोड़ देगे। सिद्धार्थ चक्रवर्ती घर पर नहीं थे. डर करके सिद्वार्थ चक्रवर्ती के भाई कौशिक चक्रवर्ती द्वारा 1000 रुपया ऑनलाईन पैसा ट्रान्सफर धर्मरक्षक पाठक के खाते में किया गया। उक्त ट्रान्सफर का स्क्रीन साट लेकर लिखित शिकायत आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव को की गई। आयुक्त द्वारा प्रथम दृष्टया चैकीदार को दोषी पाते हुए एवं उसके गलत आचरण के द्वारा नगर निगम की छवि धूमिल करने के कारण उसके खिलाफ कार्रवाई की। उपरोक्त कृत्य आचरण अपराधिक प्रवृत्ति, कार्य के प्रति घोर लापरवाही, एवं जिम्मेदारी का निर्वहन सही ढंग से नहीं करने का परिचायक है। छ.ग. सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 3 के (1)(2)(3) के विपरित पाया गया। उपरोक्तानुसार प्रथम दृष्टया दोषी पाये जाने के कारण पाठक को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन की अवधि में मुख्यालय जोन 04 शिवाजी नगर अनुविभाग कार्यालय में रहेगा। निलंबन अवधि में उन्हे नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी। आम नागरिको को सूचित किया जाता है कि धर्मरक्षक पाठक से सावधान रहे। किसी भी प्रकार की असोभनीय कृत्य करते पाये जाने पर नगर निगम भिलाई के राजस्व विभाग को को सूचित करे।

जिला अस्पताल राष्ट्रीय गुणवत्ता मानक में उतरा खरा

मिला राष्ट्रीय स्तर का प्रतिष्ठित क्वालिटी सर्टिफिकेट

उप मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री, विधायक एवं कलेक्टर ने दी बधाई

बिलासपुर। नेशनल हेल्थ सिस्टम रिसोर्स सेंटर (एमएचएसआरसी) के द्वारा चलाए जा रहे राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिला अस्पताल को क्वालिटी सर्टिफिकेट के लिए चयनित किया गया है। इसके साथ ही जिला अस्पताल को लक्ष्य एवं मुस्कान कार्यक्रम के लिए भी क्वालिटी सर्टिफिकेट प्रदान गया है।

जिला अस्पताल में एनएचएमआरसी की टीम ने 5 अगस्त से लेकर 7 अगस्त तक मूल्यांकन कार्य किया था। इसमें एनक्यूएएस के लिए आठ विभागों (दुर्घटना एवं आपातकाल, ब्लड बैंक, आईपीडी, लेबोरेट्री, ओपीडी, मैटर्निटी वार्ड, फार्मेटी एवं जनरल एडमिनिस्ट्रेशन) का आंकलन किया गया था। आंकलन में बिलासपुर जिला अस्पताल का ओवरआल स्कोर 84.45 फीसदी रहा जिसके आधार पर अस्पताल को एनक्यूएएस क्वालिटी सर्टिफिकेट प्रदान किया गया है। इसके साथ ही लक्ष्य योजना के अंतर्गत मैटर्निटी ओटी एवं लेबर रूम का आंकलन किया गया था तथा मुस्कान योजना के अंतर्गत पीडियाट्रिक ओपीडी, एसएनसीयू, पेडियाट्रिक वार्ड एवं एनआरसी का आंकलन किया गया था। इन दोनों योजनाओं के अंतर्गत भी जिला अस्पताल बिलासपुर को क्वालिटी सर्टिफिकेट प्रदान किया गया है। सिविल सर्जन डॉ. अनिल गुप्ता ने बताया कि इस सफलता को प्राप्त करने में एक निरंतरता का प्रयास लगातार माननीय जिलाधीश महोदय के नेतृत्व में एवं जिला अस्पताल परिवार के सभी अधिकारी कर्मचारियों के सहयोग से हम इस उपलब्धि को हासिल किए। आज नेशनल क्वालिटी एश्यरेंस स्टेण्डर्ड में जिला अस्पताल को मिली सफलता के लिए जिला चिकित्सालय परिवार के हर सदस्य को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। इस उपलब्धि को हासिल करने की प्रक्रिया में सर्वप्रथम हमें राज्य स्तर की आकलनकर्ता टीम के समक्ष एनक्वास, लक्ष्य एवं मुस्कान जैसे प्रतिष्ठा पूर्ण सर्टिफिकेशन के लिए सभी मापदण्डों का निरीक्षण राज्य स्तर की टीम के द्वारा किया गया। इस पहले प्रयास को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के पश्चात हमने अगले पड़ाव की तरफ अपना प्रयास जारी रखा और राष्ट्रीय स्तर के चयन के लिए अपना मूल्यांकन के लिए पंजीयन कराया। इसमें महत्वपूर्ण प्रयास राष्ट्रीय स्तर के आकलन के समय यह रहा कि गुणवत्ता पूर्ण कार्यशैली, कैम्पस की साफ-सफाई किसी चिकित्सकीय कार्य को करने में निर्धारित मापदण्ड तथा निर्धारित समय लेकर मरीज को संपूर्ण लाभ पहुंचाना रहा। हमारे चिकित्सकीय कार्य की प्रमुख स्तंभ सभी स्टॉफ नर्स को भी निर्धारित मापदण्ड के अनुरूप कार्य करने की दिशा में हमें निरंतर उनका प्रशिक्षण राज्य स्तर से प्राप्त चयनकर्ताओं के माध्यम से अपने अस्पताल में अस्पताल सलाहकार डॉ शेफाली कुमावत एवं डॉ. राजेश पटेल के सहयोग से विगत छह माह तक लगातर स्टॉफ प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में निर्धारित एसओपी के तहत कैसे कार्य करना है, इस दिशा में हम दिन-रात कार्य करते रहे और इसमें हमें अंतर्विभागीय सहयोग के रूप में विशेष रूप से नगर निगम के माननीय कमिश्नर साहब, लोक निर्माण विभाग, ईएण्डएम एवं सीएमएचओ कार्यालय, सीजीएमएससी के माध्यम से सतत सहयोग मिलता रहा और इस प्रकार इस सर्टिफिकेशन को प्राप्त कर सके। इस सर्टिफिकेशन में प्रथम प्रयास में चौदह विभाग को प्रमाणीकरण के लिए एप्लाई किया था तथा इन सभी विभागों के निर्धारित मापदण्डों के अंतर्गत मरीजों को गुणवत्ता पूर्ण चिकित्सकीय सेवा तथा स्वस्थ वातावरण एवं राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित मापदण्डों के तहत चिकित्सकीय सेवाएं देने में हम आगे भी अपना प्रयास जारी रखेंगे। एनक्वास सर्टिफिकेशन के माध्यम से हमारी संस्था को केन्द्र सरकार से आर्थिक सहायता, अस्पताल उन्नयन तथा मरीजों के हित में बेहतर चिकित्सकीय सुविधा प्रदाय करने की दिशा में हम आगे और अपना प्रयास जारी रखने में कामयाब होंगे। इस शानदार उपलब्धि पर उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव ने कहा कि मैं बिलासपुर जिला चिकित्सालय को केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा उत्कृष्ट चिकित्सा सेवाओं के लिए राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण पत्र (एनक्यूए), प्रसूति सुविधाओं के लिए लक्ष्य प्रमाण पत्र तथा नवजात एवं बाल रोग देखभाल के लिए मुस्कान प्रमाण पत्र जारी किए जाने पर अस्पताल प्रबंधन और पूरे स्टॉफ को बधाई देता हूं।

प्राकृतिक आपदा पीड़ित परिवारों के लिए 28 लाख की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत

बलौदाबाजार। विकासखंड बलौदाबाजार के ग्राम मोहतरा में रविवार अपरान्ह में आकशीय बिजली की चपेट में आने से 7 लोगों की मृत्यु की घटना को कलेक्टर दीपक सोनी ने गंभीरता एवं संवेदनशीलता से लेते हुए घटना के 24 घण्टे के अंदर ही सोमवार को मृतक के परिवारों के लिए आर्थिक सहयता अनुदान राशि स्वीकृत किया है।

आम सूचना

हमारा संस्थान जिसका हिंदी में नाम है -लोकतांत्रिकों का समानुपातिक एवं हेतुक प्रतिनिधि जनसमूह; इसका अंग्रेजी नाम [English Version] है: PROPORTIONAL AND RATIONAL REPRESENTATIVES' ALLANCE OF DEMOCRATS':जिसका हिंदी में संक्षिप्त नाम 'पाराद' है एवं अंग्रेजी में संक्षिप्त नाम (Abbri) PARRAD है। इसी नाम से एक राजनैतिक पार्टी के रूप में निर्वाचक आयोग, भारत, नयी दिल्ली में पंजीकृत करने जा रहा है। इस पार्टी का चुनाव चिन्ह (Ele. Symbol) एवं झंडा (जिनकी आकृति नीचे दी गयी है) को भी दी गयी आकृति के रूप में पंजीकृत करने जा रहा है। अत: अगर किसी व्यक्ति/संस्थान/संगठन को कोई आपत्ति है तो पते: Adv J .S. Kailshiya I.F.S. (Retd) H.No. 2236/60; NAVDURGA NAGAR MATHPURENA POST SUNDAR NAGAR RAIPUR (CG) 492013 पर, या ई-मेल parrad.raipur@gmail.com या व्हाट्सप्प नंबर 942526410 पर एवं मुख्य निर्वाचक आयुक्त निर्वाचक आयोग भारत निर्वाचन सदन आशोका रोड नयी दिल्ली 110001; फ़ोन नं. 23052220; ईमेल complaints@eci.gov.in पर इस सूचना के प्रकाशन दिनाँक से 30 (तीस) दिनों के अंदर अपनी आपत्ति दर्ज करने का कष्ट करे।

सूचना जारीकर्ता
J.S. Kailashiya, I.F.S. (Retd.)
Naitional President: "PARRAD"
Raipur (C.G.)

समाचार संक्षेप

नेता प्रतिपक्ष डॉ. महंत ने कमला देवी साहू के निधन पर जताया शोक

रायपुर। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कांग्रेस वरिष्ठ नेता पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू की धर्मपत्नी भाभी कमला देवी साहू के निधन पर दुःख जताया है। डॉ. महंत ने दुर्ग के पूर्व संसद सरोज पांडे के पिता श्याम पांडे एवं कोरबा के पूर्व सांसद स्वर्गीय डॉ. बंशीलाल महतो की धर्मपत्नी कौशल्या देवी महतो के निधन पर शोक व्यक्त किया है । डॉ. महंत ने कहा कि, ईश्वर दिवंगत आत्माओ को श्रीचरणों मे स्थान दें एवं परिजनों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है ।

गुण्डाधूर, प्रवीरचंद भंजदेव सम्मान के लिए आवेदन 25 तक

रायपुर। राज्य के सर्वोत्कृष्ट खिलाड़ियों से गुण्डाधूर और प्रवीरचंद भंजदेव सम्मान वर्ष 2024-25 हेतु 25 सितम्बर, तक आवेदन निर्धारित प्रारूप में आमंत्रित किए गए हैं। खिलाड़ियों के निर्धारित प्रपत्र में आवेदन एवं अनुशंसा, संचालनालय खेल एवं युवा कल्याण, सरदार वल्लभ भाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम, जी.ई. रोड, रायपुर अथवा खेल एवं युवा कल्याण के जिला कार्यालयों में कार्यालयीन दिवस एवं समय पर प्रस्तुत किया जा सकता है। गुण्डाधूर सम्मान और प्रवीरचंद भंजदेव सम्मान के लिए चयनित खिलाड़ियों को एक-एक लाख रूपए नगद, अलंकरण फलक, प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया जाएगा। इन दोनों की सम्मान के लिए सीनियर वर्ग की राष्ट्रीय चैम्पियनशिप या राष्ट्रीय खेलों में छत्तीसगढ़ की ओर से भाग लेते हुए स्वर्ण पदक या रजत पदक या कांस्य पदक प्राप्त किया हो या अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ी सम्मान के लिए पात्र होंगे। उल्लेखनीय है कि प्रवीरचंद भंजदेव सम्मान तीरंदाजी के क्षेत्र में और गुण्डाधूर सम्मान किसी भी खेल में छत्तीसगढ़ की ओर से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में सर्वोत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को दिया जाता है। सम्मान हेतु वर्ष की गणना 01 अप्रैल से 31 मार्च तक होगी। गुण्डाधुर सम्मान और प्रवीरचंद भंजदेव सम्मान के संबंध में अधिकारी जानकारी एवं आवेदन हेतु निर्धारित प्रपत्र के लिए खेल विभाग के विभागीय वेबसाईट का अवलोकन किया जा सकता है।

महिला कांग्रेस आज करेगी मुख्यमंत्री निवास का घेराव

रायपुर। छत्तीसगढ़ की बिगड़ती कानून व्यवस्था और महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराधों के विरोध में महिला कांग्रेस 10 सितंबर को मुख्यमंत्री निवास का घेराव करेगी। इस प्रदर्शन का नेतृत्व महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद फूलों देवी नेताम करेंगी। फूलों देवी नेताम ने बताया कि 10 सितंबर को रायपुर के गांधी मैदान स्थित कांग्रेस भवन में सुबह 11 बजे एक सभा का आयोजन होगा। इसके बाद, दोपहर 12.30 बजे प्रदेशभर से आई महिला कांग्रेस की सदस्य मुख्यमंत्री निवास की ओर कूच करेंगीं। सांसद नेताम ने आरोप लगाया कि प्रदेश में महिलाएं और बेटियां लगातार अत्याचार और उत्पीड़न का शिकार हो रही हैं। उन्होंने कहा, बेटी बचाओ और बेटी पढ़ाओ का नारा देने वाली सरकार आज आरोपियों को बचाने में लगी है। बस्तर से लेकर रायपुर तक महिलाओं के साथ अपराधों की घटनाओं में तेजी से वृद्धि हो रही है, और महिलाएं खुद को असुरक्षित महसूस कर रही हैं। महिला कांग्रेस का यह प्रदर्शन प्रदेश भर में महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान को लेकर हो रही अनदेखी के खिलाफ है। नेताम ने दावा किया कि राज्य में पिछले 9 महीनों में महिलाओं के खिलाफ 3094 से अधिक अपराध दर्ज किए गए हैं, जिनमें 600 से अधिक बलात्कार के मामले शामिल हैं। महिला कांग्रेस ने राज्य सरकार पर आरोप लगाया कि वह इन गंभीर मामलों को छुपाने और अपराधियों को बचाने का काम कर रही है। फूलों देवी नेताम ने कहा, महिला कांग्रेस इस अन्याय के खिलाफ सड़कों से लेकर सदन तक लड़ाई लड़ेगी और महिलाओं के अधिकारों के लिए आवाज उठाती रहेगी। इस विरोध प्रदर्शन में प्रदेश के विभिन्न जिलों से महिलाएं शामिल होंगी, और यह राज्य की राजनीति में नया मोड़ ला सकता है।

मुख्यमंत्री तीज मिलन कार्यक्रम में हुए शामिल, बहनों को दिया आशीष

देश और प्रदेश की समृद्धि में योगदान दे रही हैं महिलाएं : डॉ. रमन सिंह

रायपुर » दैनन्दिनी.

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज राजधानी में छत्तीसगढ़ में महिलाओं के सबसे बड़े पारंपरिक पर्व तीज के मौके पर आयोजित तीज मिलन समारोह में शामिल हुए और बहनों को आशीष दिया। राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा के राजधानी रायपुर स्थित निवास में आयोजित इस समारोह में प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आयी महिलाएं शामिल हुई। राजस्व मंत्री ने महिलाओं का परंपरागत रूप से स्वागत किया। इस अवसर पर लोक कलाकारों ने मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने तीज मिलन के इस अवसर पर आई माता, बहनों को तीजा की बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह बहुत खुशहाली का अवसर है। तीज मिलन के इस अवसर पर बहनें यहां आई हैं, मैं आप सभी का स्वागत करता हूं। तीजा में सुहागन महिलाएं निर्जला व्रत रखकर अपने पति की दीर्घायु जीवन की कामना लेकर शिव-पार्वती की पूजा करती हैं। उन्होंने कहा कि हमारे धर्म में मान्यता है कि यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवताः इसी मान्यता का अनुसरण करते हुए हमारी सरकार महिलाओं को हर महीने महतारी वंदन योजना की राशि जारी कर रही है।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने समारोह में आयी माताओं-बहनों को तीज मिलन की बधाई देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के तीज-त्यौहारों की परंपरा काफी समृद्ध है। यहां की महिलाएं पुरूषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खेत-खलिहानों में काम करके देश और प्रदेश की समृद्धि में योगदान दे रही हैं। छत्तीसगढ़ निर्माण के बाद छत्तीसगढ़ की महिलाओं में तेजी से शिक्षा और साक्षरता का प्रसार हुआ है। राज्य सरकार द्वारा भी महिलाओं को सशक्त करने के लिए अनेक कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। इससे राज्य की महिलाएं सशक्त हो रही हैं।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने महिलाओं को तीज पर्व की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राजस्व मंत्री ने न्यौता देकर तीज मिलन हेतु अपने घर पर बुलाया है। यह पूरे मातृ शक्ति का सम्मान है। इस मौके पर राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने छत्तीसगढ़ के लोक कवि भैय्या लाल हेड़ाऊ के गीत 'धन-धन तै मोरे किसान' गाकर सुमधुर प्रस्तुति दी।

तीज मिलन के लिए राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा के निवास की विशेष सजावट की गई थी। इस अवसर पर परम्परागत ग्रामीण परिवेश की झलक दिखाई दी। राजस्व मंत्री के निवास में आयोजित तीज मिलन में राजनांदगांव के धरोहर सांस्कृतिक दल के कलाकारों ने मनमोहक प्रस्तुति पर माता-बहनों ने जमकर नाच गाकर तीज मिलन का लुफ्त उठाया। इस अवसर पर विधान सभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, रायपुर सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल, विधायक श्री अनुज शर्मा, गुरु श्री खुशवंत साहेब, श्री मोतीलाल साहू, पूर्व सांसद श्री सुनील सोनी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने बादलों की गरज के दौरान लोगों से सुरक्षित स्थान पर रहने की अपील की

नगरीय निकायों, पंचायतों और गैर-सरकारी संगठनों द्वारा भी आयोजित किए जा रहे विशेष जागरूकता कार्यक्रम

रायपुर » दैनन्दिनी.

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने बरसात में बादलों की गरज के दौरान लोगों से सुरक्षित स्थान पर रहने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि प्रदेशवासियों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। आकाशीय बिजली से बचने का सावधानी ही उपाय है। इसलिए सतर्क रहें और वज्रपात से बचाव के निर्देशों का गंभीरता से पालन करें। मुख्यमंत्री ने विगत दिनों प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में आकाशीय बिजली गिरने से जनहानि की घटनाओं पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने ऐसी घटनाओं से बचने नागरिकों से सभी जरूरी सावधानियां बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर आकाशीय बिजली और वज्रपात से बचाव के लिए स्थानीय भाषा में सुरक्षा उपायों का प्रदर्शन करने और लोगों को जागरूक करने के निर्देश जारी किए गए हैं। नगरीय निकायों, पंचायतों और गैर-सरकारी संगठनों को भी विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने को कहा गया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने तेज बिजली चमकने या बिजली गिरने की आशंका पर अपनी और अपनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इससे बचाव के उपायों का कड़ाई से पालन करने को कहा है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि वे बादलों की गरज के दौरान सुरक्षित स्थान पर रहें, घर के अंदर रहें तथा पेड़ों और बिजली के खंभों से दूरी बनाकर रहें। उन्होंने इस दौरान धातु की वस्तुओं से दूरी बनाए रखने, बरसात के समय धातु की चीजें जैसे छाता, छड़ और तार को नहीं छूने को कहा है क्योंकि ये बिजली को आकर्षित कर सकते हैं। श्री साय ने बादल गरजने के समय दौरान लोगों को जलाशयों, तालाबों, नदियों और स्विमिंग पूलों से दूर रहने की अपील की है क्योंकि पानी में बिजली की संवेदनशीलता अधिक होती है जिस कारण वह आसानी से पानी में फैल सकती है।

मेडिस्टाइनल ट्यूमर की अम्बेडकर अस्पताल में सफल सर्जरी

रायपुर » दैनन्दिनी.

विभाग में छाती एवं फेफड़े से संबंधित सभी प्रकार के ट्यूमर/कैंसर के हो रहे हैं ऑपरेशन

पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय से संबध्द डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय स्थित हार्ट, चेस्ट और वैस्कुलर सर्जरी विभाग में क्रमशः दो मरीजों के छाती के अंदर और हार्ट के ऊपर स्थित दुर्लभ मेडिस्टाइनल ट्यूमर का सफल ऑपरेशन डॉ. कृष्णकांत साहू (विभागाध्यक्ष) एवं टीम द्वारा किया गया। डॉ. कृष्णकांत साहू के नेतृत्व में एवं कुछ दिन के अंतराल में ही एक के बाद एक मेडिस्टाइनल ट्यूमर की ऐसी दुर्लभ तथा क्रिटिकल सर्जरी कर इस विभाग ने कीर्तिमान रच दिया। सर्जरी के बाद दोनों ही मरीज स्वस्थ हैं। इसमें से एक मरीज की उम्र 32 साल है तथा दूसरे मरीज की उम्र 05 वर्ष है। डॉ. कृष्णकांत साहू के अनुसार, पहले केस में 32 वर्षीय मरीज को 10 महीने से छाती में भारीपन, खाँसी एवं सांस लेने में तकलीफ थी। दो साल पहले मरीज को इस बीमारी के बारे में पता चला परन्तु ऑपरेशन के लिए हिम्मत नहीं जुटा पा रहा था। यह ट्यूमर (कैंसर) हार्ट के ऊपर स्थित था, एवं बांयें फेफड़े और फेफड़े की मुख्य नस (मेन पल्मोनरी आर्टरी) से चिपका था जिसके कारण इस ट्यूमर को निकालना बेहद ही क्रिटिकल था। ट्यूमर का वजन लगभग 1.5 किलोग्राम था और यह दिल के आकार से भी बड़ा करीब 12X10X10 सेमी का था। जांजगीर-चांपा निवासी और ष्टस्थ्क्क में वेल्डर का काम करने वाले व्यक्ति को लगभग 10 माह से सीने में भारीपन, सांस फूलने एवं सूखी खाँसी की शिकायत थी। सीटी स्कैन कराने पर पता चला कि इसके हृदय के ऊपर बहुत बड़ा ट्यूमर (कैंसर गांठ) है, जो कि हृदय फेफड़ा एवं मेन पल्मोनरी आर्टरी से बुरी तरह चिपका हुआ है। जब मरीज को ऑपरेशन के रिस्क के बारे में बताया गया तो मरीज बहुत अधिक घबरा गया, परन्तु समझाने के बाद ऑपरेशन के लिए तैयार हो गया। मरीज के हार्ट के ऊपर से लगभग 1.5 किलोग्राम का ट्यूमर निकाला गया। ट्यूमर के साथ ही साथ आस-पास फैले हुए लिम्फ नोड को भी अच्छी तरह से निकाला गया जिससे पुनः कैंसर होने की संभावना न रहे। यह मरीज पूर्ण स्वस्थ्य होकर अस्पताल से आज डिस्चार्ज हो गया है।

आगामी खरीफ सीजन में धान खरीदी की पुख्ता व्यवस्था की जाए : दयाल दास बघेल

रायपुर » दैनन्दिनी.

राज्य सरकार ने आगामी खरीफ सीजन में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए तैयारियां प्रारंभ कर दी है। खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल ने खाद्य विभाग के अधिकारियों को धान खरीदी के लिए सभी इंतजाम करने के लिए तैयारी शुरू करने कहा है। उन्होंने कहा कि समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए बारदाने की व्यवस्था, धान खरीदी में इंटरनेट कनेक्शन, कम्प्यूटर और नापतौल उपकरणों को दूरूस्त करने के निर्देश दिए हैं। वे सोमवार को नवा रायपुर स्थित खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति निगम के सभाकक्ष में अधिकारियों की बैठक लेकर काम-काज की समीक्षा कर रहे थे। खाद्य मंत्री बघेल ने बैठक में कहा कि समर्थन मूल्य में धान खरीदी के दौरान किसानों से इस बात की शिकायत नहीं आनी चाहिए कि उनसे अधिक धान लिया जा रहा है। इसलिए धान खरीदी केन्द्रों के नापतौल के उपकरणों को दूरूस्त कर लिया जाए। उन्होंने राशनकार्ड के वितरण में आ रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कड़े शब्दों में कहा कि जिन राशनकार्डों का नवीनीकरण नहीं हुआ है। उन राशनकार्डों को विधिवत सत्यापन की कार्यवाही जल्द पूरी कर ली जाए। खाद्य मंत्री बघेल ने नापतौल के अधिकारियों से कहा कि प्रदेश के सभी राशन दुकानों का सतत् रूप से निरीक्षण करें और राशन दुकानों में कम खाद्यान्न देने अथवा नापतौल संबंधित शिकायतों का जांच कर तत्काल निराकरण करें। उन्होंने वेयरहाउस कार्पोरेशन के कार्यों की समीक्षा में कहा कि खाद्यान्न गोदामों से जो भंडारण होता है उसकी गुणवत्ता एवं वजन की जिम्मेदारी वेयरहाउस कार्पोरेशन के अधिकारियों की है। भंडारण सामग्री की गुणवत्ता एवं वजन में कमी अथवा किसी भी प्रकार की लापरवाही होती है तो संबंधित अधिकारी जिम्मेदार होंगे। उन्होंने नागरिक आपूर्ति निगम के जिला प्रबंधकों को समयबद्ध भंडारण के लिए निर्देशित किया।

विश्वकर्मा जयंती पर होगा प्रदेश स्तरीय श्रमिक सम्मेलन का आयोजन

रायपुर। प्रदेश के श्रम विभाग द्वारा मंगलवार 17 सितम्बर 2024 को विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मुख्य आतिथ्य एवं श्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन की अध्यक्षता में प्रदेश स्तरीय श्रमिक सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। यह सम्मेलन राजधानी के बुढ़ापारा स्थित बलबीर सिंह जुनेजा इन्डोर स्टेडियम, रायपुर में आयोजित होगा। इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल अंतर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों एवं उनके परिवार के सदस्यों के लिए संचालित 30 जनकल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत ऑनलाईन प्राप्त आवेदन में से पात्र हितग्राहियों को योजना में प्रावधान अनुरूप सहायता राशि से लाभान्वित किया जाना है। साथ ही कार्यक्रम अंतर्गत श्रमिक हित में किये जा रहे विभाग के प्रयासों एवं सफलताओं को विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से प्रदर्शित किया जावेगा। इस आशय की जानकारी छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल सचिव श्रीमती सविता मिश्रा ने प्रदेश के श्रमिकों से अधिक से अधिक संख्या में सम्मिलित होकर इस कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया है।

उद्योग मंत्री ने कोरबा में 1.20 करोड़ के विकास कार्यों की रखी आधारशिला

रायपुर। उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन ने सोमवार को कोरबा में 1.20 करोड़ रूपए से होने वाले विकास कार्यों की नींव रखी। इस अवसर पर मंत्री देवांगन ने कहा की कोरबा नगर निगम क्षेत्र के हर वार्ड के समुचित विकास और जरूरतों को पूरा करने के लिए पूरी कटिबद्धता के साथ कार्य प्रारंभ किए जा रहे हैं। आने वाले पांच साल में एक भी गली कच्ची नहीं रहेगी। हर एक गली को पक्की की जाएगी।उक्त बातें वाणिज्य उद्योग और श्रम मंत्री देवांगन ने रूद्रनगर में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम के अवसर पर कही। मंत्री ने संबोधित करते हुए कहा की हमारी कोशिश है कि शहर के हर वार्ड में सड़क, नाली, पेयजल के कार्य एक साथ शुरु हो, इसके लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उप मुख्यमंत्री अरुण साव द्वारा विकास कार्यों के लिए राशि भी तत्काल स्वीकृत की जा रही है। प्रदेश विष्णु देव सरकार द्वारा गरीब कल्याण की योजना का क्रियान्वयन तेजी से हो रहा है, माताओं-बहनों को गैस चूल्हा का वितरण, पीएम आवास की योजना समेत अन्य योजनाओं का लाभ मिल रहा है। महतारी वंदन योजना का लाभ आज हर महिला को मिल रहा है। अब कोरबा नगर निगम क्षेत्र की किसी भी जरुरत के लिए फंड की कमी आड़े नहीं आएगी। वार्डो में सड़क और नाली निर्माण की सबसे अधिक जरुरत है। प्राथमिकता के आधार पर सड़क, नाली निर्माण कराया जा रहा है। ताकि आवागमन और पानी निकासी की व्यवस्था बेहतर हो सके।इसके साथ ही विभिन्न सामाजिक भवनों के निर्माण के लिए भी राशि जारी कर दी गई है। पोड़ीबहार वार्ड में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम में विधि विधान से पूजा अर्चना कर किया। इस अवसर पर मंत्री देवांगन ने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान यहां की जनता ने सड़क व नाली निर्माण कार्य की मांग की गई थी.

जैन धर्म में गलती की क्षमा मांगने की महान परंपरा : साय

मुख्यमंत्री जैन समाज के सिद्धिशिखर विजय उत्सव में हुए शामिल

रायपुर » दैनन्दिनी.

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज जैन समाज द्वारा आयोजित सिद्धितपकी पूर्णहुति पर सिद्धिशिखर विजय उत्सव में बूढ़ापारा स्थित सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में शामिल हुए। इस मौके पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि जैन समाज में तपस्या की परंपरा है ऐसे तपस्या से छत्तीसगढ़ में खुशहाली आएगी और सुख-समृद्ध होगा। 11 साल के बेटे, 13 वर्ष की बेटी से लेकर 80 वर्ष की माता सहित कुल 114 तपस्वियों ने 44 दिन तक जैन परंपरा के अनुसार 4500 तरह के व्रत रखकर कठोर साधना की। जिनका आज हमने सम्मान किया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जैन समाज के संत-मुनि बिना चरण पादुका के हजारों मील पैदल यात्रा करते हैं। खान-पान का सयंम रखकर मानव समाज के कल्याण के लिए प्रार्थना करते हैं। उन्होंने कहा कि जैन धर्म एक ऐसा धर्म है, जहां पर गलतियों को स्वीकार करने और क्षमा मांगने की महान परंपरा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रभु राम के ननिहाल और माता कौशल्या की पुण्य भूमि पर पधारे संतों के चरणों को शत-शत नमन करता हूं। छत्तीसगढ़ को उनका आशीर्वाद हमेशा से मिलते रहा है, मैं ऐसी कामना करता हूं कि उनके आशीर्वाद से प्रदेश में खुशहाली आए हर घर में सुख-समृद्धि रहे। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ को संतो का आर्शीवाद हमेशा से मिलता रहा है। संतों की प्रेरणा से यह आध्यात्मिक तपस्या संभव हुई। गुरूओं के आर्शीवाद से हमेशा ताकत और प्रेरणा मिलती रही है। डॉ. सिंह ने कहा कि प्रभु राम का ननिहाल हमेशा से शांति का टापू रहा है और यहां सुख-समृद्धि रहे ऐसी कामना है। ऐसे तपस्वी के बीच में आने का आज सौभाग्य प्राप्त हुआ है। रायपुर सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि जैन समाज के तपस्वियों को बहुत-बहुत बधाई। श्री अग्रवाल ने कहा कि उनकी तपस्या से छत्तीसगढ़ की धर्मभूमि, कर्मभूमि सुखशाली, समृद्धिशाली बने। सभी संतों के प्रवचनों को जीवन में आत्मसात करें। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह सहित अतिथियों ने तपस्वियों का अभिनंदन किया।

पूज्य जयपाल विजयजी महाराज ने भी उद्बोधन दिया। उन्होंने कहा कि जैन धर्म अहिंसा और करूणा में विश्वास रखता है। उपभोक्तावाद को एक प्रकार की हिंसा मानता है। हमारे संत-मुनियों की तपस्या विश्व और राष्ट्र के कल्याण के लिए होती है। जैन धर्म के अचार-विचारों में एवरेस्ट की उंचाई और अंटलांटिक की गहराई भी है। उन्होंने कहा कि 114 तपस्वियों में अपनी कठिन तपस्या से सिद्धि शिखर पर विजय पताका लहराई है। इस अवसर पर पूज्य प्रियदर्शी विजय जी महाराज और पूज्य तीर्थ प्रेम विजय जी महाराज भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में विधायक श्री राजेश मूणत, श्री गजराज पगारिया, श्री स्वरूप चंद जैन भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का आयोजन श्री जैन श्वेतांबर मूर्ति पूजक समाज एवं चर्तुमास समिति द्वारा किया गया।

हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं

- TDS रिफंड • GST रजिस्ट्रेशन • इनकम TAX फाइल
- प्रोजेक्ट रिपोर्ट • MSME रजिस्ट्रेशन • GST रिटर्न फाइल
- CMA DATE • फूड लाइसेंस • BALANCE SHEET

ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-

संपर्क- शेखर गुप्ता मो. 93007-55544, 8878655544
D-6 सेक्टर-2, गुरुद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर

पाली भाषा को पाठ्यक्रम में शामिल करने विभाग को भेजा जाएगा प्रस्ताव

रायपुर » दैनन्दिनी.

भारत की सबसे प्राचीन ज्ञात धम्मलिपि पाली भाषा को छत्तीसगढ़ के विश्वविद्यालयीन पाठ्यक्रम में शामिल करने उच्च शिक्षा विभाग को प्रस्ताव भेजा जाएगा। छत्तीसगढ़ में महारा, माहरा इस जाति को अनुसूचित जाति में शामिल किया गया है, किन्तु जिन महार जाति के लोगों का भू-अभिलेख में माहरा लिखा है, उन्हें महार जाति का प्रमाण पत्र नहीं दिया जा रहा है, इस हेतु सामान्य प्रशासन विभाग को पत्र लिखा जाएगा। अनुसूचित जाति में उप वर्गीकरण पर उच्चतम न्यायालय का निर्णय आरक्षण ढांचे और संवैधानिक सुरक्षा को खतरे में डाल सकता है, इसे दृष्टिगत रखते हुए अम्बेडकर वेलफेयर सोसायटी ने कहा है कि वह आरक्षण में क्रीमी लेयर के पक्ष में नहीं है। इसके लिए प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, भारत के संवैधानिक संस्थानों और संबंधित मंत्रालयों को पत्र भेजा जाएगा। डॉ. अम्बेडकर वेलफेयर सोसायटी छत्तीसगढ़ की 8 सितम्बर को आयोजित प्रबंधकारिणी की बैठक में यह महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए निहित उद्देश्यों और लक्ष्यों को प्राप्त करने गंभीर चर्चा की गई। सोसायटी के अध्यक्ष दिलीप वासनीकर ने कहा कि छत्तीसगढ़ औद्योगिक नीति में अनुसूचित जाति-जनजाति के हित संवर्धन हेतु उद्योग सचिव को आवश्यक सुझाव के साथ पत्र लिखा जाएगा। उन्होंने भविष्य की योजनाओं के संबंध में उपस्थित सदस्यों को अवगत कराते हुए विस्तारपूर्वक जानकारी दी। महादेव कावरे ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए जुड़कर वेलफेयर सोसायटी के लिए चिन्हांकित स्थान/भूमि का भू-आबंटन शासन से कराने हेतु की गई कार्यवाही की जानकारी दी। संस्था के उपाध्यक्ष के. एन. काण्डे ने पूर्व में लिए गए निर्णय के परिपालन को सुनिश्चित करने की दिशा में अपेक्षित प्रगति लाने प्रमुखता से बात रखी।

सार्वजनिक उपक्रमों के ऑल इंडिया अनुसूचित जाति जनजाति फेडरेशन के चेयरमेन एवं वेलफेयर सोसाइटी के उपाध्यक्ष सुनील रामटेके ने अनुसूचित वर्ग के अभ्यर्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु कोचिंग शुरू करने की कार्ययोजना को अमल में लाने, किए जाने वाले प्रयास में तेजी लाने पर बल दिया। उपाध्यक्ष हेमराज कुटारे ने उपयोगी सुझाव दिए।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक,संपादक-**ब्रजेश शुक्ला** द्वारा आशीर्वाद, सी-255, रोहिणीपुरम रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं दैनंदिनी प्रिन्टर्स 317/4 सरोना रायपुर से मुद्रित। फोन-0771-4059450, ईमेल- dainandini@yahoo.in, mail2dainandini@gmail.com